आज का सुविचार

जो अकेले चलते है, वे तेजी से बढ़ते है।

नैपोलियन

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ई्रप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221

डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-353 भोपाल, बुधवार 03 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC

पंचांग

कार्तिक कृष्ण पक्ष
त्रयोदशी, बुधवार 22
विक्रम, संवत 2078

ITDC

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:26/5:43
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	35 %
वायु (किमी/घ.)	06
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

ITDC

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 49,340

ITDC

शेयर सूचकांक

बीएसई	60029.06	-109.40
निफ्टी	17888.95	-40.70

अजित पवार पर कसा शिकंजा : आईटी डिपार्टमेंट ने भेजा नोटिस

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम की 1400 करोड़ से अधिक की प्रॉपर्टीज सीज करने की तैयारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख की गिरफ्तारी के बाद अब वर्तमान डिप्टी सीएम अजित पवार पर एक और केंद्रीय एजेंसी का शिकंजा कसता हुआ नजर आ रहा है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने अजित पवार की कई दर्ज प्रॉपर्टीज को जब्त करने का अस्थाई नोटिस जारी किया है। इसमें महाराष्ट्र की 27 प्रॉपर्टीज, गोवा का 250 करोड़ का रिसार्ट और 600 करोड़ की एक शुगर मिल शामिल है। इसमें दिल्ली की भी कुछ प्रॉपर्टीज शामिल हैं। ये संपत्तियां 1400 करोड़ रुपये से ज्यादा की हैं।

आईटी डिपार्टमेंट इससे पहले पवार के परिवार के कई सदस्यों के घरों पर भी छापेमारी कर चुका है। जिन्हें नोटिस भेजा गया है, उनमें अजित पवार की बहनों की भी कुछ प्रॉपर्टीज हैं। उस दौरान पवार के रिश्तेदारों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद 184 करोड़ रुपये की बेहिसाब संपत्ति का पता लगाया था। विभाग ने 7 अक्टूबर को 70 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान आईटी ने अजित पवार के बेटे पार्थ पवार के मालिकाना हक वाली कंपनी अनंत मर्क्स प्राइवेट लिमिटेड पर भी छापा मारा था।

अजित पवार के पास 90 दिनों का समय:- शरद पवार के भतीजे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार के पास यह साबित करने के लिए अब 90 दिनों का समय होगा कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा अटैच की गईं संपत्तियां बेनामी पैसे से नहीं खरीदी गई हैं।

कौन-कौन सी संपत्तियां सीज करने का आदेश

1. 600 करोड़ मार्केट वैल्यू की जरंदेश्वर शुगर फैक्ट्री शामिल है।
2. साउथ दिल्ली में स्थित 20 करोड़ रूपये का फ्लैट।
3. अजित पवार के बेटे पार्थ पवार का निर्मल ऑफिस, इसकी कीमत तकरीबन 25 करोड़ रुपये है।
4. निलय नाम से गोवा में बना 250 करोड़ रूपये का रिसॉर्ट।
5. इसके अलावा पुणे, मुंबई समेत महाराष्ट्र की 27 अलग-अलग जगहों की जमीन भी इसमें शामिल हैं।

अनिल देशमुख पर प्रवर्तन निदेशालय का एक्शन

इससे पहले 100 करोड़ रुपये की वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को गिरफ्तार किया था। ईडी ने अनिल देशमुख को सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया था और करीब 12 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ करने के बाद श्वष्ठ ने अनिल देशमुख को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के मुताबिक अनिल देशमुख श्वष्ठ के सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री देशमुख देर रात गिरफ्तार

100 करोड़ की वसूली मामले में आरोपी महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को आखिरकार रात 1 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। वे कई दिनों तक लापता रहने के बाद सोमवार सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर अचानक प्रवर्तन निदेशालय ऑफिस पहुंच गए थे। देशमुख को ED ने 5 बार पूछताछ के लिए समन किया था, लेकिन हर बार उनके वकील इंद्रपाल सिंह ही ED ऑफिस पहुंचे थे।

उप्र के गाजीपुर में ट्रक ने 6 लोगों को कुचला, सभी की मौत; गांववालों ने ड्राइवर को पीटा

लखनऊ। यूपी के गाजीपुर में आज सुबह भीषण हादसा हुआ। यहां एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में ट्रक का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे चाय पी रहे लोगों को रौंदते हुए झोपड़ी में जा घुसा। इस हादसे में 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई। जबकि दो ने अस्पताल में दम तोड़ा। कुल 6 की मौत हुई है। 4 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के अहिरौली के पास हुआ। गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया और उसे पीट-पीटकर अधमरा कर दिया।

रोहित धवन की फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन ने ली 21 करोड़ रुपए फीस

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की झोली में इन दिनों कई प्रोजेक्ट हैं। इनमें से एक है रोहित धवन के निर्देशन में बन रही शहजादा, जो साउथ की हिट फिल्म अला वैकुंठपुमरलो की हिंदी रीमेक होने वाली है। इस फिल्म में कार्तिक फिर एक बार फिर लुकाछिपी एक्ट्रेस कृति सेनन के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। अब खबरें हैं कि इस फिल्म के लिए कार्तिक ने 21 करोड़ रुपए फीस ली है। कार्तिक धीरे-धीरे इंडस्ट्री के टॉप स्टार्स के बीच जगह बना रहे हैं और उनकी बढ़ी हुई फीस व पॉपुलैरिटी इस बात का सबूत है।

फिर दहला अफगानिस्तान

काबुल में मिलिट्री हॉस्पिटल के पास दो धमाके; 19 लोगों की मौत, 43 घायल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में मंगलवार को मिलिट्री हॉस्पिटल के पास 2 जोरदार धमाके हुए। इसमें 19 लोगों की मौत हो गई और 43 घायल हैं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि काबुल में सरदार मोहम्मद दाऊद खान मिलिट्री हॉस्पिटल के पास गोलियों की आवाज भी सुनी गई। यह अफगानिस्तान का सबसे बड़ा मिलिट्री हॉस्पिटल है। इस्लामिक अमीरात के डिप्टी प्रवक्ता बिलाल करीमी ने बताया कि काबुल के 10वें जिले में 400 बिस्तरों वाले हॉस्पिटल के एंट्री गेट पर दो ब्लास्ट हुए। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर सुरक्षाबलों को भेज दिया गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, धमाका कार में हुआ।

किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली:- इन धमाकों की जिम्मेदारी अभी तक किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा बताया जा रहा है कि ढ्डस्ढ्ढरु से जुड़े कई हथियारबंद लोग अस्पताल में घुस गए, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों से उनकी भिड़ंत हुई।

कुंदुज में जुमे की नमाज के दौरान धमाके में 100 मारे गए:- कुछ दिनों पहले ही अफगानिस्तान के कुंदुज में जुमे की नमाज के दौरान जोरदार धमाका हुआ था। इसमें 100 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए थे। यह धमाका हजारा शिया मस्जिद को निशाना बनाकर किया गया। कुंदुज में संस्कृति और सूचना के निदेशक मतिउल्लाह रोहानी ने बताया कि यह आत्मघाती हमला था। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बनने के बाद यह देश में सबसे बड़ा हमला था।

कैप्टन ने कांग्रेस छोड़ी, सोनिया गांधी को भेजा इस्तीफा; नई पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का ऐलान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज पंजाब

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आज ही नई पार्टी का भी ऐलान किया है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम पंजाब लोक कांग्रेस का ऐलान किया है। कैप्टन ने अपना इस्तीफा सोनिया गांधी को भेजा है। कैप्टन ने एक बार फिर कांग्रेस के पंजाब अध्यक्ष सिद्धू पर हमला बोला है। उन्होंने कहा- सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर पार्टी ने ठीक नहीं किया। पार्टी एक दिन इसके लिए पछताएगी।

नवाब मलिक फिर हुए हमलावर:कहा-

फडणवीस के काल में 15 करोड़ की पार्टीज हुईं, वानखेड़े पहनते हैं कई लाख के कपड़े

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

आर्यन क्रूज ड्रग्स केस में महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने मंगलवार सुबह एक बार फिर पूर्व ष्टरू देवेंद्र फडणवीस और समीर वानखेड़े पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस के ष्टरू रहते फोर सीजन होटल में 15 करोड़ की पार्टीज की गईं। इस होटल में एक-एक टेबल की कीमत 15 लाख रुपए होती थी। मलिक ने कहा कि इन पार्टीज के आयोजक कौन थे, इसकी जानकारी सामने आनी चाहिए। क्या आपको जानकारी नहीं थी या आपका पुलिस तंत्र इतना कमजोर था कि आपको इसकी जानकारी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हमने किसी पर हवा में आरोप नहीं लगाया, बल्कि तथ्यों के साथ इसे सामने लाए हैं। मैं एक बार फिर कहना चाहता हूं कि समीर वानखेड़े देवेंद्र फडणवीस के करीबी हैं। नवाब मलिक ने कहा कि समीर वानखेड़े जब से इस विभाग में आया उसने अपनी एक प्राइवेट आर्मी खड़ी की।

दुनिया का पहला रूफटॉप थिएटर : जियो वर्ल्ड ड्राइव की छत पर खुल रहा पहला ड्राइव-इन थिएटर, 290 कारें एकसाथ खड़ी हो पाएंगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिलायंस मुंबई में देश का पहला जियो ड्राइव-इन थिएटर 5 नवंबर को खोलेगी। इसे जियो वर्ल्ड ड्राइव में खोला जाएगा। ये दुनिया का पहला रूफटॉप, ओपन-एयर ड्राइव-इन थिएटर होगा, यानी ये थिएटर छत पर होगा। इस ओपन एअर थिएटर में लोग खुले आसमान के नीचे अपनी कार में बैठकर फिल्म का मजा ले पाएंगे। इस थिएटर में मुंबई की सबसे बड़ी सिल्वर स्क्रीन होगी। इस ड्राइव-इन थिएटर को

PVR द्वारा ऑपरेट किया जाएगा। जियो ड्राइव-इन में 290 कारों की क्षमता है, जो मुंबई में सबसे बड़ी सिनेमा स्क्रीन है। जियो वर्ल्ड ड्राइव 17.5 एकड़ में फैला हुआ है। ये शहर की सबसे प्रीमियम लोकेशन बांद्रा कुर्ला में स्थिति है। हालांकि, अभी इस ड्राइव-इन थिएटर के फोटो सामने नहीं आए हैं। ड्राइव-इन सिनेमा का मतलब होता है कि आप अपनी फोर व्हीलर में बैठकर आएं और कार में बैठ-बैठे ही फिल्म का मजा लें। ऐसे ओपन थिएटर बड़े मैदान में होते हैं। यहां भी फिल्म के शो की टाइमिंग होती है और कारों को एक लाइन खड़ा किया जाता है, ताकि फिल्म शुरू होने पर कार आसानी से आ पाएं, और खत्म होने आराम से निकल पाएं।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

एफबी कंट्रोवर्सी का नया पार्ट

महामारी से जुड़ी गलत पोस्ट को वायरल किया, एक्सपेरिमेंट के नाम पर बच्चों की हत्या करने की बात कही गई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

फेसबुक ने भले ही अपना नया नामकरण (मेटा) कर लिया हो, लेकिन उससे जुड़ी कंट्रोवर्सी खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। कंपनी के दामन में पहले से ही फेक न्यूज, हेट स्पीच, भड़काऊ कंटेंट जैसे कई दाग लग चुके हैं। अब फेसबुक से जुड़ी एक नई रिसर्च आई है जिसमें कहा गया है कि कंपनी ने कोविड-19 महामारी और वैक्सीनेशन से जुड़ी कई फेक प्रोफाइल को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रमोट किया। इसके चलते बीते साल इन प्रोफाइल के 370,000 फॉलोअर्स बन गए। फेसबुक से जुड़ी इस रिसर्च को न्यूजगार्ड ने किया है। ये ऐसा ऑर्गनाइजेशन है जो इंटरनेट पर आने वाले फेक न्यूज, हेट स्पीच, भड़काऊ

वैक्सीनेशन से जुड़ी गलत जानकारी को बढ़ावा दिया

कंटेंट पर नजर रखता है। ये 20 अकाउंट, पेज और ग्रुप को ट्रैक कर रहा था।

रिसर्च में कई खुलासे हुए

फेसबुक ने अपने अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जिन ग्रुप को बढ़ावा दिया उनमें एक्सपेरिमेंट के नाम पर बच्चों की हत्या करने की बात की जा रही थी। इंस्टाग्राम पर एंड्रयू वेकफील्ड की एक डॉक्युमेंट्री को प्रमोट किया गया, जिसमें स्र्व्क्र टीकाकरण और ऑटिज्म से जुड़े फेक कंटेंट को बढ़ावा दिया गया। इस फेक कंटेंट से लोगों में वैक्सीन के प्रति गलत सोच पैदा हुई। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के निवेदन पर न्यूजगार्ड पिछले साल सितंबर से ही WHO को लगातार अलर्ट कर रहा है। उसने ऐसी सोशल मीडिया साइट्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म को हाइलाइट किया, जो कोविड-19 से जुड़ी गलत जानकारी को बढ़ावा दे रहे थे।

इस मामले में 14 अमेरिकी राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने अक्टूबर में फेसबुक के ष्टश्वह्र मार्क जुकरबर्ग को एक लेटर जारी किया था। इसमें उनसे पूछा गया कि क्या वैक्सीनेशन से जुड़ी गलत सूचना को अपने प्लेटफॉर्म पर बढ़ावा देने स्पेशल ट्रीटमेंट किया जा रहा है।

फेसबुक के ट्रेड टूल से हो रही ह्यूमन ट्रैफिकिंग

हौगेन ने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को दिए बयान में नया खुलासा करते हुए कहा कि यदि आप आज भी फेसबुक पर अरबी में खादीमा या मेड्स सर्च करते हैं तो अफ्रीकियों और दक्षिण एशियाई महिलाओं की उम्र और उनकी फोटोज कीमत के साथ लिस्टेड रहती हैं। इन्हें कोई भी यूजर्स अपने पसंद के हिसाब से हायर कर सकता है। एसोसिएटेड प्रेस को फेसबुक ने बताया है कि मिडिल ईस्ट में विदेशी मजदूरों के साथ शोषण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हम इस समस्या को गंभीरता से ले रहे हैं।

MP उपचुनाव

गृहमंत्री बोले- कांग्रेस सिर्फ सोशल मीडिया की पार्टी; पूर्व मंत्री पीसी शर्मा का पलटवार, चुनाव में JP ने सत्ता का उपयोग किया

कमलनाथ से लेकर दिग्विजय सिंह समेत सभी नेता सिर्फ सोशल मीडिया पर ही एक्टिव रहते हैं। संवेदना व्यक्ति करने से लेकर भाजपा पर आरोप तक सोशल मीडिया पर ही लगाते हैं। सड़क पर कभी नजर नहीं आते। चुनाव आते ही यह सोशल मीडिया पर प्रकट हो जाते हैं। चुनाव खत्म होते ही यह भी गायब हो जाते हैं। यह पार्टी के कार्यकर्ताओं की मेहनत और लोगों के स्नेह की जीत है।

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश की तीन विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझान में तीन में भाजपा और एक पर कांग्रेस का उम्मीदवार आगे है। इसको लेकर जहां भाजपा उत्साहित नजर आ रही है, वहीं कांग्रेस से सत्ता और बाहुबल से प्रभावित चुनाव बता रही है। दोनों तरफ से राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है, हालांकि अभी तक किसी ने भी सोशल मीडिया पर इसको लेकर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन बयान जरूरी जारी किए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी अब तक चुनावों को लेकर कोई कमेंट्स नहीं किया है।

नरोत्तम मिश्रा बोले- कांग्रेस सोशल मीडिया की पार्टी

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने रुझान पार्टी के पक्ष में आने पर कहा कि कांग्रेस सिर्फ सोशल मीडिया की पार्टी है। कमलनाथ से लेकर दिग्विजय सिंह समेत सभी नेता सिर्फसोशल मीडिया पर ही एक्टिव रहते हैं। संवेदना व्यक्ति करने से लेकर भाजपा पर आरोप तक सोशल मीडिया पर ही लगाते हैं। सड़क पर कभी नजर नहीं आते। चुनाव आते ही यह सोशल मीडिया पर प्रकट हो जाते हैं। चुनाव खत्म होते ही यह भी गायब हो जाते हैं। यह पार्टी के कार्यकर्ताओं की मेहनत और लोगों के स्नेह की जीत है। पार्टी के हर कार्यकर्ता ने मेहनत की है। जनता के बीच में गए। उनसे संवाद किया और उनकी परेशानियों को जाना। मंहगाई मुद्दा हमेशा रहता है, लेकिन जनता को पता है कि ईमानदारी से प्रयास कौन कर रहा है। यही कारण है कि जानता भाजपा के साथ है।

पूर्व मंत्री शर्मा बोले- भाजपा ने यूपी से गुंडे बुलाए

पूर्व मंत्री और भोपाल से कांग्रेस विधायक ने भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अभी तक जो भी रुझान आ रहे हैं, वह संतोषजनक नहीं हैं, लेकिन यह भाजपा की जीत नहीं बल्कि सत्ता और बाहुबल का असर है। भाजपा ने यूपी से गुंडों को बुलाकर यहां पर उनका उपयोग किया। सत्ता का उपयोग करते हुए कर्मचारियों और अधिकारियों को डराया धमकाया गया। जबरन भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया गया। इसी का नतीजा यहां दिख रहा है। जहां लोग भाजपा के बहकावे में नहीं आए, वहां नतीजा उनके उलट है। हम जनता के साथ और उनके विश्वास के साथ चुनाव लड़े हैं। कमलनाथ के साथ पूरी पार्टी और हर कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी से खड़ा है।

उद्योगों को भूमि आवंटन में विलंब नहीं हो : मुख्यमंत्री चौहान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 30 दिन में उद्योग प्रारंभ करने के संबंध में जो भी प्रक्रिया तय की गई हैं, उनका क्रियान्वयन समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए। उद्योगों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया में विलंब नहीं हो। नगर पालिका, नगर पंचायत स्तर पर प्रकरण नहीं लटके। जो कार्य 30 दिन में किए जा सकते हों, उन्हें ही स्टार्ट योर बिजनेस इन 30 डेज में सम्मिलित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभागों की गतिविधियों का थर्ड पार्टी एसेसमेंट कराने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में आत्म-निर्भर मध्य प्रदेश के अंतर्गत प्रदेश में 30 दिवस में उद्योग आरंभ करने की सुविधा के संबंध में लिए गए निर्णयों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में एमएसएमई मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री संजय शुक्ला तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। स्टार्ट योर बिजनेस इन 30 डेज कार्यक्रम में 9 विभाग की 45 सेवाओं को चिन्हित किया गया है। इनमें ऊर्जा विभाग की चार, श्रम विभाग की नौ, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग (नियंत्रक नाप तौल) की चार, वाणिज्य कर विभाग की एक, राजस्व विभाग की एक, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग की 14 सेवाएँ सम्मिलित हैं। साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की एक, नगरीय विकास एवं आवास विभाग की पाँच और पर्यावरण विभाग अर्थात मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 6 सेवाओं को सम्मिलित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गायक श्री मोहित चौहान का निवास पर स्वागत किया और स्मार्ट सिटी पार्क में पौधा लगाया।

एसबीआई ने पेंशनर्स को दी सुविधा:जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए अब बैंक आने की जरूरत नहीं, ऑनलाइन होंगे जमा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

एसबीआई (स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) ने अपने पेंशनर्स को नई सुविधा दी है। पेंशनर्स को अब जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए बैंक में जाने की जरूरत नहीं होगी। वे ऑनलाइन ही प्रमाण पत्र जमा कर सकेंगे। बैंक अधिकारी वीडियो कॉल करके बात भी कर सकेंगे। एसबीआई ने पेंशनरों को घर से ही जीवन प्रमाण-पत्र बैंक में फारवर्ड करने की नई सुविधा 1 नवंबर से दी है। बैंक अफसरों ने बताया, स्टेट बैंक ऑफइंडिया से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनर घर में रहकर मोबाइल फोन के वीडियो कॉल से बैंक अधिकारियों से बात कर सकेंगे। साथ ही जीवन प्रमाण-पत्र ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। अन्य बैंकों द्वारा भी यह सुविधा शीघ्र शुरू की जाएगी।

इस तरह जमा किए जा सकेंगे सर्टिफिकेट: एसबीआई ने पेंशनर्स के लिए बैंक के पोर्टल पर व्यवस्था की है। इसके लिए पेंशनर को **httpÑ//www.pensionseva.sbi** पर क्लिक करना होगा। इसमें दिए गए विकल्प से जीवन

न्यूज ब्रीफ

रेल यात्रियों को परेशानी: भोपाल से होकर जाने वाली तिरुपति-जम्मूतवी समेत 10 ट्रेन प्रभावित; कुछ निरस्त, कुछ परिवर्तित मार्ग से चलेंगी

भोपाल। ऑन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते भोपाल से होकर जाने वाली तिरुपति-जम्मूतवी समेत 10 ट्रेन प्रभावित हुई हैं। 4 ट्रेन रद्द कर दी गई हैं, जबकि 6 परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद मंडल के काजीपेट-बल्लारशाह रेल खंड पर मानिकगढ़-विहिरगांव-विरुर स्टेशनों के मध्य प्री नॉन/नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किए जाने के कारण इस मार्ग पर चलने वाली कुछ गाड़ियों को निरस्त एवं कुछ को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है।

यह गाड़ियां निरस्त: गाड़ी संख्या 02277 तिरुपति-जम्मूतवी साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 9 नवंबर को

गाड़ी संख्या 02278 जम्मूतवी-तिरुपति साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 12 नवंबर को

गाड़ी संख्या 02521 बरौनी-एर्नाकुलम साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 8 नवंबर को

गाड़ी संख्या 02522 एर्नाकुलम-बरौनी साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 5 एवं 12 नवंबर को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तन: 9 एवं 13 नवंबर को अपने प्रारंभिक स्टेशन से चलने वाली गाड़ी संख्या 02806 नई दिल्ली-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस स्पेशल तथा 8 नवंबर को अपने प्रारंभिक स्टेशन से चलने वाली गाड़ी संख्या 06318 श्रीमाता वैष्णव देवी कटरा-कन्याकुमारी एक्सप्रेस स्पेशल परिवर्तित मार्ग वाया-नागपुर-गोंदिया-रायपुर-टीलागढ़-विजियानगरम-दुव्वाडा-विजयवाड़ा होकर गन्तव्य को जाएगी। 3 एवं 10 नवंबर को अपने प्रारंभिक स्टेशन से चलने वाली गाड़ी संख्या 02589 गोरखपुर-सिकन्दराबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल परिवर्तित मार्ग वाया-मजरी जंक्शन-पिम्पलखूटी, मुदखेड़-

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजभवन में दीपावली अभिनंदन कार्य म का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया।

4 दिन बंद रहेगी भोपाल की करोंद मंडी: 6 नवंबर को होंगे मुहूर्त के सौदे, 200 व्यापारी करेंगे खरीदी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल की करोंद अनाज मंडी 2 नवंबर से 4 दिन के लिए बंद रहेगी। 6 नवंबर को मुहूर्त के सौदे होंगे। तब व्यापारी अनाज की खरीदी करेंगे। अभी मंडी में 5 हजार क्विंटल तक अनाज बिकने आ रहा है। नए सोयाबीन की आवक भी हो रही है। इधर, थोक सब्जी मंडी खुली रहेगी। इससे शहर में सब्जी की सप्लाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सब्जी व्यापारी मुहूर्त के सौदे शनिवार को करेंगे। दिवाली के चलते व्यापारी कारोबार बंद रखते हैं और दूज यानी दिवाली के तीसरे दिन मुहूर्त के सौदे करके अनाज खरीदी

अभी 5 हजार क्विंटल अनाज की आवक

का 'श्रीगणेश' करते हैं। इस बार 6 नवंबर को मुहूर्त के सौदे होंगे। इसमें सबसे पहले जिस किसान के अनाज की नीलामी होगी, उसकी ज्यादा से ज्यादा बोली लगाई जाएगी। इससे किसान भी एक दिन पहले से ही मंडी में आ जाते हैं। मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष हरीश ज्ञानचंदानी ने बताया, 6 नवंबर की सुबह 7 से 9.30 बजे तक मुहूर्त में कांटे-बांट की पूजा होगी। फिर 10 बजे से नीलामी शुरू करेंगे। दोपहर 12.30 से 1 बजे तक व्यापारियों का दिवाली मिलन समारोह आयोजित होगा। मंडी में करीब 500 लाइसेंसधारी व्यापारी हैं, लेकिन नियमित रूप से 200 खरीदी करते हैं।

मक्का की सबसे ज्यादा आवक

अब तक मक्का की सबसे ज्यादा आवक रही है। करीब ढाई हजार क्विंटल मक्का रोज बिकने आ रही थी। जिसके भाव एक हजार से 1500 रुपए प्रति क्विंटल तक रहे। गेहूं एक हजार बोरे, देशी चना 500 बोरे और सोयाबीन की आवक एक हजार बोरे तक रही। दिवाली बाद मंडी खुलने पर सोयाबीन और मक्का की आवक ज्यादा बढ़ जाएगी। अध्यक्ष ज्ञानचंदानी ने बताया, पिछले दो साल की तुलना में इस बार सोयाबीन बेहतर क्वालिटी का आ रहा है।

भोपाल से नई उड़ान:रायपुर के लिए इंडिगो की नई फ्लाइट शुरू, सप्ताह में तीन दिन भरेगी उड़ान

भोपाल। अध्यप्रदेश की राजधानी को छत्तीसगढ़ से जोड़ने के लिए भोपाल से रायपुर के बीच हवाई सफर की सुविधा मंगलवार से शुरू हो गई। इंडिगो ने इस उड़ान को शुरू किया है। सप्ताह में तीन दिन उड़ान चलेगी। मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को यह उड़ान रहेगी। उड़ान भोपाल से सुबह 10.15 बजे रवाना होगी और दोपहर 12 बजे रायपुर पहुंच जाएगी। वहीं रायपुर से भोपाल दोपहर 1.35 बजे पहुंचेगी। एयर इंडिया और इंडिगो ने विंटर शेड्यूल जारी कर दिया है। यह शेड्यूल 31 अक्टूबर से लागू हो गया है, जो 26 मार्च तक जारी रहेगा। पुणे उड़ान को दोबारा चलाया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मेकमाईट्रिप संग एमेजॉन पे की साझेदारी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स दिग्गज एमेजॉन की डिजिटल पेमेंट इकाई एमेजॉन पे और मेकमाईट्रिप लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक मेकमीट्रिप इंडिया ने एमेजॉन डॉट कॉम पर पर्यटन सेवा की पेशकश के लिए लंबी अवधि की साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी से एमेजॉन पे को अपने ग्राहकों को मेकमाईट्रिप की पर्यटन सेवा पेशकश सामने रखने में मदद मिलेगी। एमेजॉन पे इंडिया के सीईओ व उपाध्यक्ष महेंद्र नेरूकर ने कहा, मेकमाईट्रिप संग हमारी साझेदारी सेलाखों ग्राहकों को फायदा मिलेगा। इससे उन्हें देश भर में बेहतर पेशकश व सेवाएं चुनने का मौका मिलेगा और इसमें वे एमेजॉन पे का इस्तेमाल आसानी से कर पाएंगे। इस साझेदारी से मेकमाईट्रिप अपना वितरण एमेजॉन पे के जरिए ज्यादा ग्राहकों तक करने में सक्षम होगी, खास तौर से छोटे शहरों में और इससे देश भर में पर्यटन सेवा की ऑनलाइन बुकिंग भी रफ्तार पकड़ेगी। मेकमाईट्रिप के ग्रुप सीईओ राजेश मैगो ने कहा, हम एमेजॉन संग साझेदारी से उत्साहित हैं। यह ऐसी कंपनी है जिसने लोगों की ऑनलाइन खरीद में दुनिया भर में क्रांति ला दी है। महामारी के कारण डिजिटल की ओर तेजी से बढऩे और इस साझेदारी के कारण हम ट्रैवल बुकिंग नए ग्राहकों के लिए काफी सुविधाजनक रहने की उम्मीद कर रहे हैं।

नायिका के आईपीओ को 82 गुना आवेदन

मुंबई। एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स (जिसके पास नायिका का स्वामित्व है) के आईपीओ को आखिरी दिन कुल मिलाकर 82.4 गुना आवेदन मिले। संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 92 गुना आवेदन मिले जबकि एचएनआई श्रेणी में 112.5 गुना। खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 12.3 गुना आवेदन मिले जबकि कर्मचारियों के लिए आरक्षित श्रेणी में 1.8 गुना आवेदन हासिल हुए। पिछले हफ्ते कंपनी ने 2,396 करोड़ रुपये के शेयर बड़े विदेशी व देसी फंडों को आवंटित किए थे। एंकर निवेशकों ने 95,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की बोली जमा कराई थी और कुल पेशकश के मुकाबले 40 गुना ज्यादा शेयरों की मांग देखने को मिली थी। इस बीच, पीबी फिनटेक (जिसके पास पॉलिसीबाजार व पैसा बाजार का स्वामित्व है) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को पहले दिन 58 फीसदी आवेदन मिले। संस्थागत श्रेणी में 62 गुना बोली मिली जबकि एचएनआई श्रेणी में 7 फीसदी और खुदरा श्रेणी को पूरा आवेदन मिल गया।

धनतेरस में होगी जमकर खरीदारी : सोने की बिक्री 2019 के लेवल पर पहुंच सकती है, सस्ती कीमत है कारण

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सोने की बिक्री इस साल धनतेरस पर कोरोना के पहले यानी 2019 के लेवल पर पहुंच सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस साल में सोने की कीमतें करीबन स्थिर रही हैं।

रिकवरी के रास्ते पर है ज्वेलरी बाजार

भारतीय ज्वेलरी बाजार पहले से ही वैसे रिकवरी के रास्ते पर है। ज्वेलर्स को उम्मीद है कि धनतेरस और दिवाली के मौके पर इस बार अच्छी खरीदारी होगी। नवरात्रि में इस तरह का रुझान दिख गया है। ज्वेलर्स के मुताबिक, कोरोना की तीसरी लहर का काम असर और साथ ही सोने की कीमतों में स्थिरता से लोगों की खरीदारी का मूड दिख रहा है।

कोरोने के लेवल पर पहुंच सकती है मांग

ज्वेलरी इंडस्ट्री का अनुमान है कि 2021 में अच्छी बिक्री से कोरोना के पहले के लेवल पर हम पहुंच जाएंगे। त्योहार के साथ शादियों के मौसम का भी फायदा मिलेगा। सोने की कीमतें इस समय 46 से 47 हजार के बीच प्रति दस ग्राम हैं। यह साल 2020 की तुलना में 7फीसदी कम है।

नवरात्रि में अच्छी बिक्री रही

ज्लेवर्स का कहना है कि नवरात्रि में सोने की बिक्री बहुत अच्छी रही थी। यह बिक्री धनतेरस में भी दिखेगी। इस

साल त्योहारी मूड मजबूत है क्योंकि कोरोना इस समय नियंत्रण में है। साथ ही सोने की कम कीमतें और शादियों का मजबूत सीजन भी इसका कारण है। पूरे साल में जितनी बिक्री होती है, इस साल अक्टूबर और नवंबर में उसकी करीबन 40फीसदी ज्यादा बिक्री हो सकती है।

त्योहारी सीजन में ज्यादा उम्मीदें

मुंबई में ज्वेलरी कारोबार करनेवाले कुमार जैन कहते हैं कि इस साल इंडस्ट्री को बहुत ज्यादा उम्मीदें त्योहारी सीजन से हैं। 2019 और 2020 में सोने की कीमतें काफी ज्यादा बढ़ी थीं, पर इस साल ग्राहकों को सस्ते में सोना मिल रहा है। मोतीलाल ओसवाल ने अपनी एक रिपोर्ट में उम्मीद जताई है कि अगले साल तक सोने की कीमत 52 से 53 हजार रुपए के बीच प्रति दस ग्राम रह सकती है।

20-25 फीसदी की ग्रोथ रह सकती है

ज्वेलर्स को उम्मीद है कि इस बार त्योहारी सीजन में पिछले साल की तुलना में 20-25फीसदी की ग्रोथ रह सकती है। करीबन दो साल बाद इस साल ज्वेलरी खरीदारी में लोगों का रुझान दिख रहा है। ग्राहक ज्वेलरी में निवेश करना चाहते हैं और वे इसे एक असेट्स के रूप में खरीदना चाहते हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मैनेजिंग डायरेक्टर सोमसुंदरम पीआर कहते हैं कि हमारा अनुमान है कि अक्टूबर से दिसंबर तिमाही हाल के सालों में सबसे बेस्ट तिमाही हो सकती है। ज्यादा मांग, कम कीमत और अच्छे मानसून की वजह से ज्वेलरी इस समय पसंदीदा असेट्स बनी हुई है।

एक और स्टार्टअप लाइन में

फार्मइजी अगले हफ्ते सेबी के पास देगी अर्जी आईपीओ के जरिए जुटाएगी 7 हजार करोड़ रुपए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ऑन लाइन फार्मेसी कंपनी फार्मइजी आईपीओ के जरिए 6 से 7 हजार करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी कर रही है। कंपनी अगले हफ्ते इस संबंध में सेबी के पास अर्जी दे सकती है।

कंपनी को कोई पैसा नहीं मिलेगा

फार्मइजी के आईपीओ से कंपनी को कोई पैसा नहीं मिलेगा। दरअसल इसके मौजूदा शेयर होल्डर्स और प्रमोटर्स अपने शेयर बेचेंगे। यानी यह पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा। इसकी पैरेंट कंपनी API होल्डिंग शेयर बाजार में लिस्ट होगी। इसके साथ ही फार्मइजी आईपीओ लाने वाले स्टार्टअप की लाइन में शामिल हो जाएगी।

जोमैटो लिस्ट हो चुका है

फार्मइजी से पहले स्टार्टअप के रूप में जोमैटो लिस्ट हो चुका है। नायका का इश्यू सोमवार को बंद हुआ। जबकि पॉलिसी बाजार का इश्यू बुधवार को बंद होगा। स्टार्टअप की लाइन में पेटीएम सबसे बड़ा आईपीओ ला रहा है। यह 8 नवंबर को खुलेगा और इसके जरिए कंपनी 18,300 करोड़ रुपए जुटाएगी। फार्मइजी चालू वित्तवर्ष के पहले ही लिस्ट हो जाएगी। यानी जनवरी तक इसका लिस्ट होने का कार्यक्रम है।

डेलहीवरी भी अर्जी देने की तैयारी में

डेलहीवरी भी इसी महीने सेबी के पास अर्जी देने की तैयारी में है। यह स्टार्टअप भी जनवरी में लिस्ट हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, फार्मइजी पहले 6 हजार करोड़ रुपए के लिए सेबी के पास अर्जी दे सकती है। फिर बाद में इसे बढ़ा भी सकती है। कंपनी पहले अक्टूबर में अर्जी फाइल करने की तैयारी की थी। पर उसने आईपीओ से पहले जुटाई जाने वाली रकम के कारण इसे टाल दिया।

फार्मइजी ने आईपीओ से पहले 35 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया:- हाल में फार्मइजी ने आईपीओ से पहले 35 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया है। इस रकम के आधार पर इसका वैल्यूएशन 5.6 अरब डॉलर का है। हालांकि आईपीओ के दौरान इसका वैल्यूएशन बढ़ने की उम्मीद है। बता दें कि इस साल स्टार्टअप लाने वाले आईपीओ की लाइन लगी है। ढेर सारे स्टार्टअप ने सेबी के पास अर्जी दिया है। जोमैटो अभी तक इसमें सबसे ज्यादा वैल्यूएशन वाला आईपीओ रहा।

आईपीओ के लिहाज से बेहतर साल

वैसे आईपीओ के लिहाज से भी यह साल सबसे ज्यादा बेहतर रहनेवाला है। कंपनियों ने पहले ही आईपीओ के जरिए पैसा जुटाने का अब तक का पूरा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जबकि अभी भी कम से कम 60 कंपनियां पैसा जुटाने की लाइन में लगी हैं। दिसंबर तक यह कंपनियां 70 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम जुटा सकती हैं।

आईटी नियमों पर दूर होगी आशंका

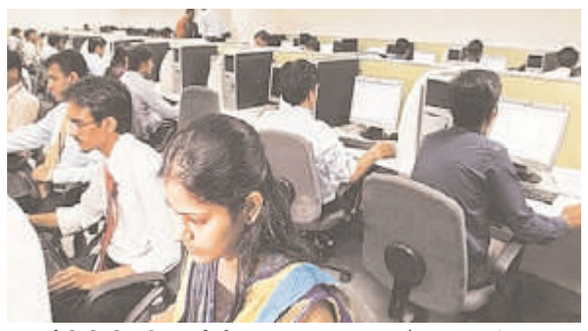

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 या आईटी नियम, 2021 के तहत मध्यवर्ती संस्थानों के लिए दिशानिर्देशों के संबंध में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के स्पष्टीकरण से जुड़े दस्तावेज जारी किए जिससे सभी तरह की आशंकाओं का जवाब देने की कोशिश की गई है। मंत्रालय से सूचना प्रौद्योगिकी मध्यस्थता (इंटरमीडियरी) नियमों को लेकर कई सवाल मिले जिसके बाद एफएक्यू तैयार किया गया है। एफएक्यू इन नियमों के दूसरे भाग तक सीमित है जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत आता है जबकि तीसरा भाग सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आता है। इस एफएक्यू में 28 सवाल है जिसका मकसद सामान्य उपयोगकर्ताओं और मध्यस्थों के लिए नए नियमों के लक्ष्यों और प्रावधानों और इससे जुड़े सवालों की बेहतर समझ बनाई जा सके। एफएक्यू जारी करते हुए इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में से एक है जो प्रौद्योगिकी की ताकत का इस्तेमाल मुख्य रूप से तीन मकसद से कर रहे हैं, मसलन लोगों की जिंदगी में बदलाव लाने, डिजिटल अर्थव्यवस्था में विस्तार के जरिये आर्थिक मौके तैयार करने और उसमें विस्तार करने, रणनीतिक क्षेत्रों में क्षमता तैयार करने के लिए इसका इस्तेमाल होगा।

दर वृद्धि से एयरटेल के एआरपीयू को मदद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सुनील मित्तल के नेतृत्व वाली कंपनी भारती एयरटेल द्वारा वित्त वर्ष 2022 की दूसरी तिमाही के शुद्ध लाभ में शानदारी तिमाही वृद्धि दर्ज किए जाने की संभावना है। विश्लेषकों का कहना है कि कंपनी को कुछ खास प्रीपेड और पोस्ट-पेड प्लांस में दर वृद्धि और मजबूत ग्राहक आधार की मदद से दूसरी तिमाही में मददद मिल सकती है। येस सिक्योरिटीज के विश्लेषकों का कहना है, %भारती द्वारा औसत प्रति उपयोगकर्ता राजस्व (एआरपीयू) में संभावित सुधार (153 रुपये) के साथ तिमाही आधार पर मजबूत आय दर्ज किए जाने की संभावना है। कंपनी को खस प्रीपेड और पोस्टपेस्ट योजनाओं में कीमत बदलाव से मदद मिलने की संभावना है। हालांकि कीमत बढ़ोतरी की वजह से ग्राहक वृद्धि की रफ्तार धीमी रहने की आशंका है। जेफरीज के अनुसार, दूसरी तिमाही में एयरटेल की वृद्धि को दरों में इजाफा किए जाने से मदद मिलेगी। ब्रोकरेज ने आय पूर्व रिपोर्ट में कहा, %जुलाई में भारती की कीमत वृद्धि से अल्पावधि से मध्यावधि में राजस्व वृद्धि मजबूत रहने की संभावना है और हमें राजस्व में तिमाही आधार पर करीब 7 प्रतिशत की तेजी का अनुमान है।% जेफरीज को भारतीय मोबाइल राजस्व दूसरी तिमाही में तिमाही आधार पर 7 प्रतिशत बढऩे और इसे एआरपीयू 7 प्रतिशत बढ़कर 157 प्रतिशत पर पहुंच जाने की संभावना है। एमके ग्लोबल फाइनैंशियल सर्विसेज ने परिचालन से राजस्व में सालाना आधार पर 9 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान जताया है। यह राजस्व बढ़कर 28,144.5 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है। ब्रोकरेज का मानना है कि एबिटा 13,715.5 करोड़ रुपये रहेगा। ब्रोकरेज ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है, तिमाही आधार पर मजबूत ग्राहक आधार के बावजूद, हमें भारतीय वायरलेस राजस्व 4.6 प्रतिशत बढऩे की संभावना है। इसके अलावा उद्यम सेगमेंट में तिमाही आधार पर निचले एक अंक की राजस्व वृद्धि बरकरार रहने का अनुमान है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल के विश्लेषकों को 27,666 करोड़ रुपये के राजस्व का अनुमान है, जो 25,060.4 करोड़ रुपये के मुकाबले सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत तक ज्यादा है। पहली तिमाही में कंपनी का राजस्व 26,853.6 करोड़ रुपये था। ब्रोकरेज को भारतीय वायरलेस राजस्व तिमाही आधार पर 3.2 प्रतिशत और उद्यम व्यवसाय में 2 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि का अनुमान है।

चौधरी की गिरफ्तारी से बैंकर हैरान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व चेयरमैन प्रतीप चौधरी की गिरफ्तारी को लेकर बैंकरों ने चिंता जताई है, वहीं बैंक ने बयान जारी कर कहा है कि जिस सौदे के संबंध में चौधरी को गिरफ्तार किया गया है, वह उनकी सेवानिवृति के बाद किया गया था। एसबीआई के पूर्व चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा, %यह खेदजनक स्थिति है और शायद प्रतिशोध का मामला है। एनपीए की बिक्री किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं की गई है, बल्कि यह एक नियत प्रक्रिया के अधीन है जैसलमेर में %गढ़ राजवाड़ा होटल परियोजना को वर्ष 2007 में एसबीआई द्वारा ऋण मुहैया कराया गया था। एसबीआई ने अपने बयान में कहा कि अप्रैल 2020 में इसके मुख्य प्रवर्तक का निधन होने के बाद खाते को उसी वर्ष जून में एनपीए की श्रेणी में शामिल किया गया। वसूली के प्रयास विफल रहने के बाद, बकाया मामला निर्धारित प्रक्रिया के तहत मार्च 2014 में रिकवरी के लिए परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) को सौंप दिया गया था। कर्जदार को भी एआरसी द्वारा दिवालिया प्रक्रिया के अधीन लाया गया था और दिसंबर 2017 में एनबीएफसी द्वारा परिसंपत्तियां खरीदी गई थीं। चौधरी सितंबर 2013 में बैंक से सेवानिवृत हुए थे और उसके बाद अलकेमिस्ट एआरसी में शामिल हुए थे। एसबीआई के पूर्व उप प्रबंध निदेशक सुनील श्रीवास्तव ने इस गिरफ्तारी को निराशाजनक करार दिया है। श्रीवास्तव के ट्वीट में कहा गया है, %क्या मोदी गवर्नमेंट द्वारा सभी प्रयासों के बावजूद व्यवस्था को फिर से डिफॉल्टरों के हाथों खेला जा रहा है? पारदर्शिता में सुधार लाने के लिए न्यायिक प्रक्रिया में सुधार

सूचीबद्ध फर्मों में म्युचुअल फंडों की हिस्सेदारी बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इक्विटी म्युचुअल फंडों में बढ़े निवेश के कारण एनएसई पर सूचीबद्ध फर्मों में म्युचुअल फंडों की हिस्सेदारी सितंबर तिमाही में बढ़कर 7.36 फीसदी हो गई, जो जून तिमाही में 7.25 फीसदी रही थी। प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों से पता चलता है कि म्युचुअल फंडों का निवेश सितंबर तिमाही में 14.82 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ अब तक के सर्वोच्च स्तर 18.75 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो जून तिमाही में 16.33 लाख करोड़ रुपये रहा था। प्राइम डेटाबेस समूह के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया के मुताबिक, लगातार पांच तिमाहियों में गिरावट के बाद एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में फंडों का निवेश बढ़ा है। समूह की विज्ञप्ति में कहा गया है, एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों की कुल शेयर पूंजी प्रतिशत केलिहाज से म्युचुअल फंडों की औसत हिस्सेदारी सितंबर तिमाही में मामूली बढ़कर 3.34 फीसदी रही, जो जून तिमाही में 3.31 फीसदी रही थी। म्चुयुअल फंडों के संगठन एम्फी के आंकड़ों से पता चलता है कि बढ़ते शेयर बाजार और इक्विटी योजनाओं के मजबूत प्रदर्शन के कारण पिछले कुछ महीनों में इक्विटी फंडों में निवेश बढ़ा है। मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में इक्विटी फंडों में करीब 39,927 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। सितंबर तिमाही में जिन अग्रणी कंपनियों में म्चुचुअल फंडों का सबसे ज्यादा निवेश रहा उनमें एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक शामिल हैं। कुल मिलाकर पिछली तिमाही में 300 कंपनियों में म्युचुअल फंडों की हिस्सेदारी बढ़ी। इस दौरान इन कंपनियों के शेयरों की कीमत में औसतन 12.06 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, एनएसई में सूचीबद्ध 387 कंपनियों में उनकी हिस्सदारी घटी। इन कंपनियों के शेयरों की औसत कीमत में इस दौरान 10.62 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। यहां तक कि एनएसई में सूचीबद्ध फर्मों में एफपीआई का निवेश सितंबर तिमाही में पहली बार 54.69 लाख करोड़ रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। हल्दिया ने कहा, जून तिमाही में यह 48.82 लाख करोड़ रुपये रहा था और निवेश में बढ़ोतरी की वजह तिमाही के दौरान द्वितीयक बाजार में असाधारण खरीद रही।

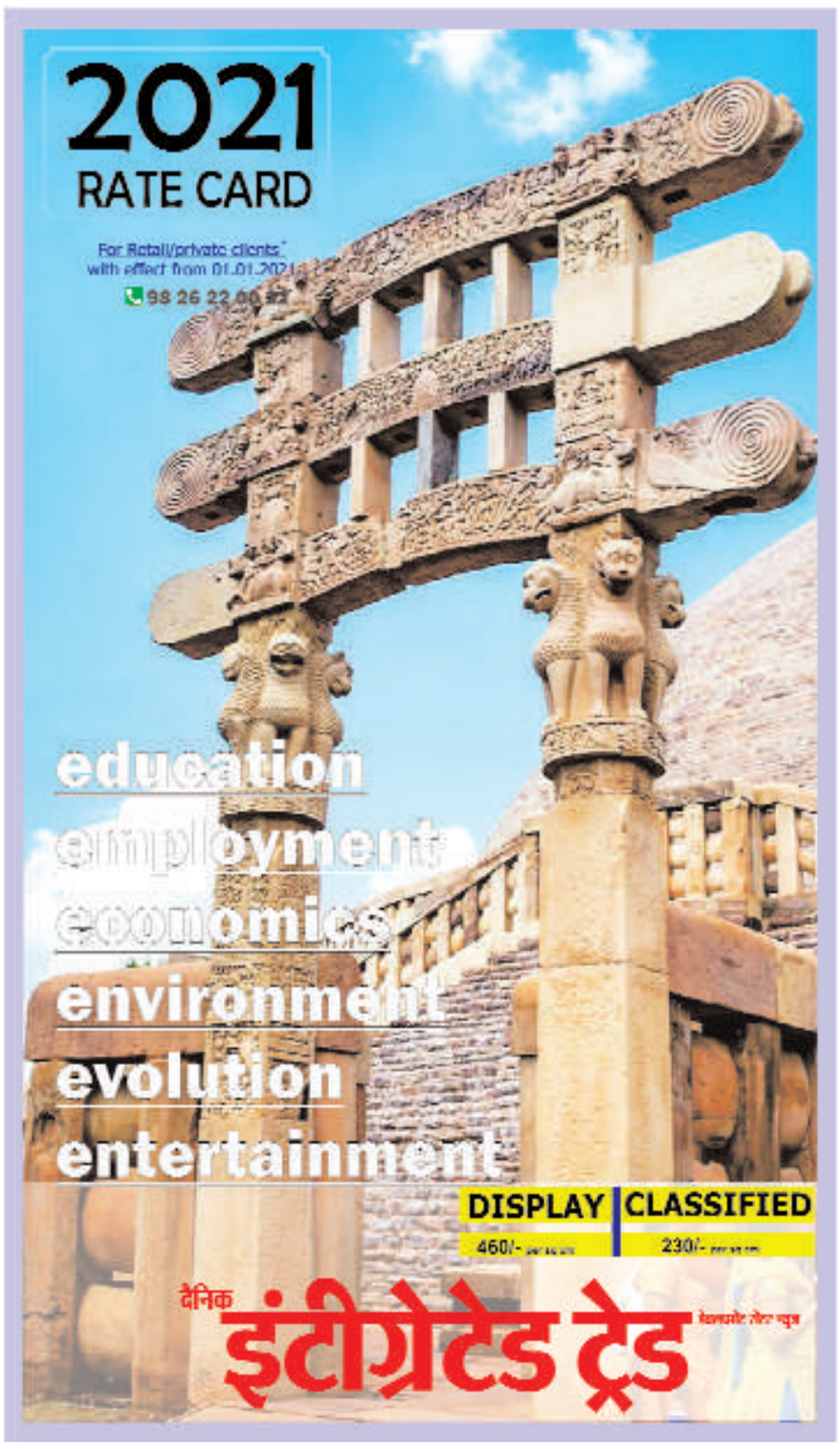

ईसाई अल्पसंख्यक और भारतीय प्रजातंत्र

- राम पुनियानी

यह आरोप अक्सर लगाया जाता है कि ईसाई मिशनरियां हिन्दुओं को बड़े पैमाने पर ईसाई बना रही हैं परंतु आंकड़े कुछ और ही कहानी कहते हैं। सन् 1971 में ईसाई भारत की आबादी का 2.60 प्रतिशत थे। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार उनका प्रतिशत 2.30 था। ईसाईयत को विदेशी धर्म बताया जाता है परंतु सन् 52 में सेंट थामस मलाबार तट पर उतरे थे और तब से भारत में ईसाई धर्म अस्तित्व में है। कुछ ईसाई मिशनरियां खुलकर यह घोषित करती हैं कि उनका उद्देश्य लोगों को ईसाई बनाना है परंतु उनमें से अधिकांश दूरस्थ इलाकों में और गरीब दलित समुदायों की बस्तियों में स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध करवा रही हैं। जैसे-जैसे साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद और मजबूत, और मुखर होता जा रहा है वैसे-वैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने और उनके विरूद्ध हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पिछले एक दशक में इस प्रवृत्ति में तेजी से वृद्धि हुई है। मुस्लिम विरोधी हिंसा की चर्चा तो फिर भी होती रहती है किंतु ईसाई समुदाय के खिलाफ हिंसा अनेक अलग-अलग कारणों से अखबारों की सुर्खी नहीं बनती। इसका एक कारण यह है कि ईसाई आबादी बिखरी हुई है और उनके विरूद्ध जो हिंसा की जाती है वह अक्सर बड़े पैमाने पर नहीं होती। ये सभी नागरिकों के एक तथ्यांन्वेषण दल के निष्कर्ष हैं जिसने देश के अलग-अलग भागों में ईसाई विरोधी हिंसा का अध्ययन और विश्लेषण किया है। इस दल की रपट में कहा गया है कि 'भारत में ईसाईयों के विरूद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले मानवाधिकार संगठनों को लगातार इस समुदाय के खिलाफ हिंसा और उन्हें आतंकित किए जाने की घटनाओं की जानकारी मिलती रहती है परंतु मीडिया और यहां तक कि मानवाधिकार के क्षेत्र में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठनों की नजर इन घटनाओं पर नहीं पड़ती।' इस रपट में उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों में ईसाईयों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को सूचीबद्ध किया गया है। इसके साथ ही अक्टूबर 2020 में रूड़की में चर्च पर हमले की घटना की जांच के निष्कर्ष भी शामिल हैं। रपट कहती है कि इस मामले में पुलिस को पूर्व सूचना दी गई परंतु इसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। हमला शुरू होने के बाद पुलिस को सूचना दी गई परंतु वह तब पहुंची जब हमलावर अपना काम करके जा चुके थे। ईसाईयां और उनके धार्मिक स्थलों पर हमलों का उद्देश्य इस आख्यान को मजबूती देना है कि ईसाई मिशनरियां हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं। रपट में देश के विभिन्न भागों में इस तरह की घटनाओं के विवरण संकलित किए गए हैं। इस वर्ष ऐसी घटनाएं अनेक स्थानों पर हुईं जिनमें शामिल हैं मऊ (10 अक्टूबर), इंदौर (26 जनवरी), शाहजहांपुर (3 जनवरी), कानपुर (27 जनवरी), बरेली (16 फरवरी), अम्बेडकरनगर (21 फरवरी), प्रयागराज (25 फरवरी), कानपुर (3 मार्च), आगरा (14 मार्च), केरल (22 मार्च), महाराजगंज (19 अप्रैल), बिजनौर (23 जून), गोंडा (25 जून), आजमगढ़ (25 जून), रामपुर (26 जून), रायबरेली (28 जून), शाहजहांपुर (29 जून), औरैया (29 जून), जौनपुर (3 जुलाई), होशंगाबाद (3 अक्टूबर), महासमुंद (3 अक्टूबर) और भिलाई (3 अक्टूबर)। इस सूची से पता चलता है कि इस तरह की घटनाओं में से अधिकांश उत्तरप्रदेश में हो रही हैं। हरियाणा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी कुछ घटनाएं हुई हैं और एक घटना केरल में हुई है। अधिकांश मामलों में हमला ईसाईयों की प्रार्थना सभाओं पर किया गया। आरोप यह था कि ये सभाएं धर्म परिवर्तन का अड्डा हैं। बहुसंख्यकवाद के उभार के साथ-साथ धार्मिक अल्पसंख्यकों को नकारात्मक ढंग से प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। अलग-अलग धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों पर अलग-अलग ढंग के आरोप लगाए जाते हैं। ईसाईयों के मामले में मुख्य आरोप यह होता है कि वे हिन्दुओं को लालच, कपट और जोर-जबरदस्ती से ईसाई बना रहे हैं। आज से छः साल पहले सन् 2015 में जूलियो रिबेरो, जिन्होंने अत्यंत प्रतिबद्धता और ईमानदारी से पुलिस अधिकारी बतौर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, ने कहा था कि 'एक ईसाई बतौर अचानक मैं अपने आपको इस देश में अजनबी सा महसूस करने लगा हूं'। तब से स्थितियां और खराब ही हुई हैं।

भारत में ईसाई विरोधी हिंसा पर नजर रखने वाले एक संगठन प्रोसीक्यूशन रिलीफ के अनुसार सन् 2020 की पहली छैमाही में देश में ईसाईयों को प्रताड़ित करने की 293 घटनाएं हुईं। इनमें से 6 मामलों का अंत हत्या में हुआ। दो महिलाओं का बलात्कार करने के बाद उनकी हत्या कर दी गई। दो अन्य महिलाओं और एक दस साल की लड़की का इसलिए बलात्कार किया गया क्योंकि उन्होंने ईसाई धर्म त्यागने से इंकार कर दिया। उत्तरप्रदेश इस मामले में ईसाईयां के लिए सबसे बुरा राज्य था। वहां ईसाईयों के खिलाफ नफरत से उद्भुत 63 घटनाएं हुईं।

संपादकीय

मन में दीये सी जगमग वह भेंट

विभूति नारायण राय

दीपावली कहना हमेशा मुश्किल सा लगता है। दिवाली ज्यादा सहज स्वाभाविक ढंग से बोलचाल में निकलता है। इस दिवाली पर न जाने क्यों इंटरमीडिएट के अपने संस्कृत अध्यापक पंडित जयानंद मिश्रा याद आ रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर स्मृतियों का क्या? आगे पीछे दौड़ती हैं। पिछली दिवाली की चीजें धुंधली हैं, पर अचानक 50 वर्ष पूर्व कालिदास के रघुवंशम को रस लेकर पढ़ाते हुए अपने अध्यापक का चेहरा पानी में आधा डूबता आधा उतराता सा दीखता है। इस समय उनकी याद आने की दो वजहें हैं। एक तो मिथिला के किसी सुदूर अंचल से बनारस जैसे बड़े शहर में आए मिश्रा जिस तरह संस्कृत में रमे रहते थे, उसमें तद्भव के लिए यह आग्रह कि उनके छात्र दीपावली की जगह दिवाली कहें, कुछ-कुछ असंगत लगता था, पर उनकी टोका-टाकी अवचेतन पर आज भी ऐसे दर्ज है कि मुंह से दीपावली निकलने पर घबराकर चारों तरफ देखता हूं कि पंडित जी सुन तो नहीं रहे।

दो वर्ष ही उन्होंने मुझे पढ़ाया और दोनों वर्ष दिवाली की छुट्टी के पहले वाले दिन वह हर साल की अपनी आदत के मुताबिक दीयों के त्योहार पर पूरे घंटे बोले। उनका एक प्रिय विषय था कि अंतरतम के कूड़े-करकट की सफाई बाहरी साफ-सफाई से ज्यादा महत्वपूर्ण है। छात्र कितना सीखते थे, यह कह सकना तो मुश्किल है, पर बाहर निकलने के बाद ठहाके लगाते हुए अंदरूनी सफाई की व्याख्या जरूर बड़ी दिलचस्प होती। उनका दूसरा प्रिय विषय सुशासन था, जो अयोध्या वापसी के बाद राम द्वारा स्थापित शासन प्रणाली से था और जो जनता के सारे दुख-दर्द की दवा था। यही दूसरा विषय एक करुण प्रसंग में आज मुझे सता रहा है। वर्षों बाद जब मैं अपनी सेवा के दौरान बनारस में नियुक्त हुआ, तो अचानक एक दिन मुझे पंडित जी का संदेश मिला कि वह मुझसे मिलना चाहते हैं। अस्वस्थता के कारण खुद नहीं आ सकते, क्या मैं उनके घर आ सकता हूं? दिवाली दो दिन बाद थी, तो मिठाई का डिब्बा लेकर उसी शाम उनके यहां पहुंच गया। मेरे पिता मानते थे कि बिना संस्कृत पढ़े हिंदी नहीं आती, इसलिए सालों तक गरमियों की छुट्टियों में हम संस्कृत का ट्यूशन पढ़ते। इसी चक्कर में दो-तीन साल उनके घर भी गया था। समय के साथ शहर में बहुत कुछ बदला था, लेकिन उनकी गली वैसी ही थी। पुराने खस्ता हाल मकान में समय जैसे रुक सा गया था। जिस मोटी सी कुंडी को खटखटाने पर अंदर आपकी सूचना पहुंचती थी, वह अभी भी यथावत थी, पर उसके बगल में ही एक कॉलबेल लगी दिखी। दबाते ही एक लड़का बाहर निकल आया।

सालों बाद भी एक परिचित सी सीलन का झोंका नाक से टकराया। घुसते ही एक छोटा सा कमरा, फिर आंगन जो हमेशा की तरह गीला था, सामने एक बरामदे को घेरकर बनाई गई रसोई और उसके बगल से ऊपर जाने वाली तंग सीढ़ी। कुछ भी बताने की जरूरत नहीं थी, मैं बिना किसी इशारे के ऊपर चढ़ता गया। ऊपर के दो छोटे कमरों को मिलाकर यह मकान बनता है और इनके बाहर का बरामदा हमारे संस्कृत ट्यूशन का केंद्र था, जहां एक आसनी बिछाकर पंडित जी पालथी मारकर बैठे होते और सामने एक कंबल को तहाकर जो आसन बनता था, उस पर छात्र बैठते थे। उन दिनों तनख्वाहें इतनी कम थीं कि ज्यादातर अध्यापक ट्यूशन पढ़ाते थे, हालांकि, तब तक शिक्षा व्यवसाय नहीं बनी थी। छात्र एक या दो के बैच में आते और शिक्षक अपने छात्रों को नंबर से नहीं, वरन नाम से पहचानते थे। सीढ़ी से छत पर पहुंचते ही आदतन नजर बरामदे पर गई और धक्क से रह गया। गुरु की आसनी और शिष्यों के बैठने की व्यवस्था गायब थी और उस स्थान को एक झिनगा खटिया भर रही थी। बिना किसी औपचारिक घोषणा के मैं समझ गया कि एक समय के तेजस्वी काया के गौरवर्णी पंडित जयानंद मिश्रा एक कृषकाय पीतवर्णी ढांचे की शक्ल में लेटे हुए थे। वह देर तक अपने बगल में पड़ी कुरसी पर बिठाकर मेरा हाथ पकड़े सहलाते रहे। समझ में आया कि उन्हें अपने 'योग्य' शिष्य पर गर्व है और भी इसी तरह की औपचारिक बातें जिन्हें यहां दोहराने का मतलब नहीं है। जो मुझे साझा करना है, वह दिवाली और सुशासन से जुड़ा प्रसंग है। वह स्मृतियों की भूल-भूलैया में यात्रा कर रहे थे और अचानक उन्होंने जो कहा उससे मैं हिल गया। बुदबुदाते हुए उन्होंने कहा कि पहले तो वह दिवाली कुत्ते की तरह मनाते थे। मैंने घबराकर कान उनके मुंह से लगभग सटा दिया। उन्हें जवानी के दिनों की संस्कृत पाठशाला याद आ रही थी, जिसमें वह 40 रुपये मासिक पर अध्यापक नियुक्त हुए थे। उन्हीं दिनों एक बार विद्यालय का मुआयना करने डिप्टी साहब पधारे। मिथिला की जलमग्न धरती पर डिप्टी साहब नाव से उतरे, तो उनकी अभ्यर्थना के लिए खड़े युवा जयानंद को दो चीजें अब तक याद हैं। एक तो उनकी अफसरी का प्रतीक सोला हैट और दूसरा उनके साथ नाव पर सफर करता बछड़े जैसे आकार का कुत्ता। कुत्ते की जंजीर पकड़े एक नौकर भी था और स्वाभाविक तौर से ये दोनों भी छात्रों और अध्यापकों के भय मिश्रित उत्सुकता के पात्र बने।

मुआयने भर चलन के मुताबिक डिप्टी साहब मास्टरों को डांटते रहे और जैसे ही मौका पाते कुत्ते के सेवक को डांटने लगते कि वह गरीबी और गंदगी में लिथड़े बच्चों को टॉमी नामधारी कुत्ते को छूने दे रहा है। अफसर को खुश करने के चक्कर में किसी अध्यापक ने पूछ लिया कि श्रीमान कुत्ता खाता क्या है? एक स्निग्ध मुस्कान के साथ डिप्टी साहब ने नौकर को बुलाकर उससे दिन भर के श्वान भोजन का मेन्यू पूछा। नौकर ने मुंह बाए अध्यापकों के सामने सुबह से रात तक के सामिष और निरामिष भोजन की जो सूची पेश की, उससे ज्यादातर को उस प्राणी से ईर्ष्या तो हुई ही, पर असली दिक्कत तब खड़ी हुई, जब मुआयना खत्म होने के बाद गणित के अध्यापक ने जोड़कर बताया कि कुत्ते पर लगभग डेढ़ रुपया प्रतिदिन खर्च होता था, यानी अध्यापकों के वेतन का ड्योढ़ा। इतना कहकर पंडित जी हंसे। पता नहीं, क्यों उस कमजोर शरीर से लहरों में आती हंसी मुझे रुदन की तरह लगी।

गांधी-नेहरू को नकारने की कोशिश

फिलहाल को मान लेते हैं कि राकेश कृष्णन सिम्हा एक विद्वान व्यक्ति हैं। उनके लेखों और ट्वीट से उनकी विचारधारा स्पष्ट हो जाती है और इसलिए यह बेहिचक कहा जा सकता है कि उनका कथन न केवल आज़ादी की लड़ाई में गांधी - नेहरु की भूमिका को, बल्कि उस पूरे दौर के इतिहास को ही नकारने की कुचेष्टा है। महात्मा गांधी हों, जवाहर लाल नेहरु हों या स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाली सारी हस्तियां - वे तमाम लोग हाड़-मांस के इंसान थे, रामायण-महाभारत जैसे किसी टीवी धारवाहिक के पात्र नहीं जो पलक झपकते उन सब जगहों पर पहुंच पाते जहां अंग्रेज़ों का राज था और जिसकी बिना पर यह कहा जाता था कि बरतानी साम्राज्य में सूरज कभी नहीं डूबता। भारत दो सौ सालों तक ब्रिटेन के अधीन रहा। इस दौरान असंख्य भारतीय अपने-अपने तरीके से अंग्रेज़ों से लोहा लेते रहे और बेड़ियां तोड़ने की कोशिश करते रहे लेकिन उनके संघर्ष को दिशा तो तभी मिली जब महात्मा गांधी भारत आए और आन्दोलन का नेतृत्व उन्होंने अपने हाथों में लिया।

- पलाश सुरजन

गांधी जी को भारतीय जनमानस से हटाने की शुरुआत उस दिन से हो गई थी जिस दिन उन्हें स्वच्छ भारत अभियान तक सीमित कर दिया गया था। स्वच्छता के अलावा भी गांधी जी के जो सबक थे, उन सबको किनारे कर दिया गया। नेहरू जी की छवि को तरह-तरह से धूमिल करने की कोशिशें की गईं। इसके बावजूद अनचाहे ही सही, गांधी जी को जब-तब सर नवाना ही पड़ता है और 15 अगस्त के भाषणों में नेहरु जी को याद करना ही पड़ता है।

पिछले दिनों सावरकर के माफीनामे को लेकर छिड़ी बहस के बीच किन्हीं राकेश कृष्णन सिम्हा का एक ट्वीट आया- 'व्हाट अ ब्रिलियंट ऑब्ज़र्वेशन : 54 कॉमनवेल्थ देशों में से 53 बिना किसी गांधी-नेहरु के 1946-1956 के बीच अंग्रेज़ों से आज़ाद हो गए थे और वो भी बिना किसी बंटवारे के'। श्री सिम्हा का जो संक्षिप्त परिचय इंडिया फैक्ट्स डॉट ओ आर जी और स्वराज्य मार्ग डॉट कॉम पर मिलता है, उसके मुताबिक 'वे न्यूज़ीलैंड में निवासरत पत्रकार हैं जो रक्षा और विदेश मामलों पर लिखते हैं। अनेक राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में उनके लेख प्रकाशित हुए हैं और अनेक राष्ट्रीय -अंतरराष्ट्रीय संगठनों-संस्थाओं में उनके काम सराहा गया है, उनके शोध पत्रों में श्री सिम्हा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है'। हालांकि बहुत ढूंढने पर भी विकिपीडिया या ऐसी ही किसी और जगह पर सिम्हा जी का परिचय नहीं मिलता, न ही भारत की नामचीन पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित उनके लेख के नेट पर कोई लिंक मिलते हैं। इसके पीछे के कारण सिम्हा जी ही बेहतर बता सकते हैं।

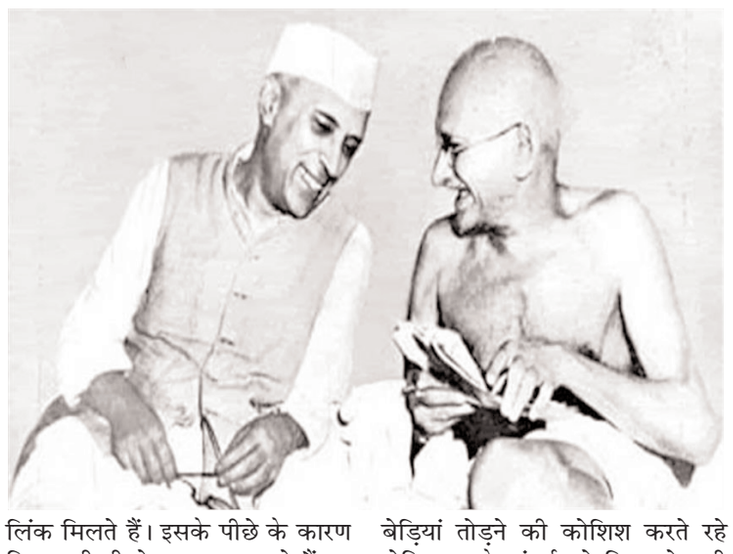

फिलहाल को मान लेते हैं कि राकेश कृष्णन सिम्हा एक विद्वान व्यक्ति हैं। उनके लेखों और ट्वीट से उनकी विचारधारा स्पष्ट हो जाती है और इसलिए यह बेहिचक कहा जा सकता है कि उनका कथन न केवल आज़ादी की लड़ाई में गांधी - नेहरु की भूमिका को, बल्कि उस पूरे दौर के इतिहास को ही नकारने की कुचेष्टा है। महात्मा गांधी हों, जवाहर लाल नेहरु हों या स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाली सारी हस्तियां - वे तमाम लोग हाड़-मांस के इंसान थे, रामायण-महाभारत जैसे किसी टीवी धारवाहिक के पात्र नहीं जो पलक झपकते उन सब जगहों पर पहुंच पाते जहां अंग्रेज़ों का राज था और जिसकी बिना पर यह कहा जाता था कि बरतानी साम्राज्य में सूरज कभी नहीं डूबता। भारत दो सौ सालों तक ब्रिटेन के अधीन रहा। इस दौरान असंख्य भारतीय अपने-अपने तरीके से अंग्रेज़ों से लोहा लेते रहे और बेड़ियां तोड़ने की कोशिश करते रहे लेकिन उनके संघर्ष को दिशा तो तभी मिली जब महात्मा गांधी भारत आए और आन्दोलन का नेतृत्व उन्होंने अपने हाथों में लिया।

सिम्हा जी एक पूरा आलेख इसी विषय पर लिखते कि आज़ादी की लड़ाई में गांधी-नेहरू की ज़रुरत क्यों नहीं थी या उनके बिना भी देश कैसे आज़ाद हो सकता था, तो बेहतर होता। वे अपनी प्रतिष्ठा के साथ न्याय करते यदि बताते कि उन देशों की परिस्थितियां क्या थीं और वे कितने समय तक गुलाम रहे। क्या ब्रिटेन ने किसी स्व प्रेरणा से उन देशों को मुक्त कर दिया था या वहां भी कोई आन्दोलन चला था और वह आन्दोलन भारत के संघर्ष से प्रेरित था या नहीं। क्या उन देशों में भी वैसी विविधता थी जैसी भारत में अभी तक है और क्या उनका आकार-प्रकार भी वैसा था जैसा हमारे देश का है। अगर गांधी-नेहरू वहां नहीं थे तो जिन्ना और सावरकर भी वहां थे या नहीं। और कुछ नहीं तो वे उन देशों की फेहरिस्त ही दे देते जिनकी बात वे अपने ट्वीट में करते हैं। लेकिन सिम्हा जी तो आईटी सेल के कारिंदे की तरह व्यवहार करके खामोश बैठ गए। उन्हें पता है कि ऐसी बेसिर-पैर की बातों पर लोग न केवल आंख मूंदकर भरोसा कर लेते हैं, उन्हें हक़ीकत से कोई वास्ता नहीं होता।

बहरहाल, सिम्हा जी और उनके अनुचरों को जान लेना चाहिए कि भले ही गांधी-नेहरू उन 53 देशों में नहीं थे, लेकिन उनके अथक संघर्ष ने पूरी दुनिया को प्रेरणा दी। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला तो गांधी से इस कदर प्रभावित थे कि उन्हें उनके देश में महात्मा गांधी कहा जाता था। गांधी जी की तर्ज पर जूलियस न्येरेरे ने तंज़ानिया की मुक्ति के लिए अहिंसक आन्दोलन चलाया और अपने देश के राष्ट्रपिता कहलाए। अमेरिका में रंगभेद के ख़िलाफ़ लड़ाई का नेतृत्व करने वाले महान नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने गांधी जी से ही प्रेरणा प्राप्त की थी। म्यांमार में लोकतंत्र की प्रबल समर्थक रहीं आंग सान सू ची गांधी के विचारों से प्रभावित रहीं। अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा का भी गांधी के विचारों में दृढ़ विश्वास है, जिसे वे बार-बार व्यक्त कर चुके हैं। साइप्रस के निकोसिया म्युनिसिपल पार्क में गांधी जी की मूर्ति है और वहां के संसद भवन का नाम, नेहरू जी के नाम पर रखा गया है। ऐसे अनेकानेक उदाहरण हैं, उन पर बात फिर कभी। दरअसल, गांधी जी को भारतीय जनमानस से हटाने की शुरुआत उस दिन से हो गई थी जिस दिन उन्हें स्वच्छ भारत अभियान तक सीमित कर दिया गया था।

ग्लासगो सम्मेलन से उम्मीद

जलवायु परिवर्तन और उससे होने वाले ख़तरे से निपटने पर मजबूत एक्शन प्लान बनाने के लिए भारत समेत दुनिया के लगभग 120 देश इस वक्त ब्रिटेन के ग्लासगो में जुटे हैं। कॉप 26 सम्मेलन यानी कॉन्फ्रेंस ऑफ़ पार्टीज़ का यह सम्मेलन इस मायने में महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया मौसम बदलाव के भयंकर नतीजों को भुगत रही है। हाल के समय में हमने देखा है कि कैसे बाढ़ और गर्मी के प्रकोप से देश की महाशक्तियां भी खुद को बचा नहीं पाईं।

धरती के गर्म होने और ध्रुवों पर बर्फ पिघलने से सभी चिंतित हैं। कई दशकों से ग्लोबल वार्मिंग के खतरे वैज्ञानिक गिना रहे हैं और अब तो उसका प्रत्यक्ष प्रमाण भी दुनिया भुगत रही है, जहां कभी भी बाढ़ आ रही है, कभी भी गर्मी की मार पड़ रही है, कहीं जंगलों में आग लगी है, कहीं भूस्खलन हो रहे हैं। औद्योगिक क्रांति के पहले के दौर की तुलना में धरती 1.1 डिग्री सेल्सियस गर्म हो चुकी है और इस सदी के अंत तक 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का खतरा मंडरा रहा है। ये हाल तब है, जब सभी देश ये दावा करते हैं कि वे कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगा रहे हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को उम्मीद है कि इस बार का सम्मेलन 'टर्निंग पॉइंट' साबित होगा। लेकिन इतनी बड़ी उम्मीद बांधने से पहले जमीन टटोलना जरूरी है।

धरती के तापमान को बढ़ने से रोकने के लिए एक तय समय सीमा के भीतर कार्बन उत्सर्जन को आधा करना होगा। इस सदी के मध्य तक यानी अगले 20-25 सालों में कई देश और कंपनियां नेट ज़ीरो करने का वादा कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वे पेड़ लगाकर या दूसरे तरीकों से उतना कार्बन सोख लेने का प्रयास करेंगे जितना उस समय तक उनके यहां उत्सर्जन होगा। लेकिन क्या ये वादा हकीकत में बदल पाएगा।

क्योंकि अब इंसानों के रहन-सहन में इतना बदलाव आ चुका है कि उसके कारण पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, और फिर भी इंसान अपनी आदतों को छोड़ नहीं पा रहा। रहा सवाल पेड़ लगाने का, तो ये भी एक आदर्श स्थिति लगती है कि आप मौके-मौके पर पौधारोपण करते हैं, या पेड़ बचाने का संकल्प लेते हैं। जबकि दूसरी ओर घने जंगलों को विकास के नाम पर काटा जा चुका है या काटने की साजिशें चल रही हैं। अमेजन के जंगलों में जिस तेजी से पेड़ों की कटाई हुई, उससे ब्राजील के राष्ट्रपति बोलसोनारो पर उंगलियां उठीं, आस्ट्रेलिया की एक संस्था ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में इसके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई। लेकिन पूंजीवाद के आगे ऐसी शिकायतों की सुनवाई कहां हो पाती है।

अभी मध्यप्रदेश में बक्सवाहा के जंगल के लाखों पेड़ों पर विकास की कुल्हाड़ी लटकी हुई थी। यहां हीरा खनन के लिए सवा दो लाख पेड़ों को काटा जाना था, मगर अब 25 हजार साल पुरानी रॉक पेंटिंग को होने वाले नुकसान को देखते हुए हाईकोर्ट ने खनन पर रोक के निर्देश जारी किए है। बक्सवाहा के पेड़ों और पुरातात्विक संपदा को बचाने के लिए याचिकाएं लगाई गई। अमेजन के जंगलों को बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठाई जा रही है। कहीं लोगों को आंदोलन कर जंगलों की रक्षा के लिए आगे आना पड़ रहा है, तो कहीं नदी बचाने के लिए अनशन करना पड़ रहा है। तो ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस तरह पर्यावरण की रक्षा हो सकेगी। जो काम सरकारों को करना चाहिए, वो नागरिक समाज के लोग कर रहे हैं। सरकारें तो अक्सर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों के साथ खड़ी नजर आती हैं। इसलिए कार्बन उत्सर्जन के लिए नेट जीरो का वादा और जलवायु पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन बहुत उम्मीद नहीं बंधाते हैं। हां, इन सम्मेलनों से पर्यावरण संरक्षण पर नए सिरे से बहस जरूर छिड़ती है, जिससे थोड़ी बहुत जागरुकता फैलती है।

तेल और कोयले के धनी देश अक्सर ऐसे सम्मेलनों में चर्चा का रुख बदलना चाहते हैं, क्योंकि पर्यावरण का एजेंडा उनके आर्थिक हितों के खिलाफ रहता है। वहीं गरीब देशों को ऐसे सम्मेलनों से काफी उम्मीदें रहती हैं। 2005 में मांट्रियल में कॉप की पहली बैठक हुई थी, लेकिन उसमें कोई खास प्रगति नहीं हो पाई। इसके बाद कई और सम्मेलन इसी तरह औपचारिकता में निपटा दिए गए। 2015 में पेरिस में कॉप को एक बड़ी सफलता मिली, जब जलवायु परिवर्तन पर अपनी तरह की पहली संधि बनाने में कामयाब मिली जिसे पेरिस समझौता कहते हैं। ये एक बड़ा मौका था क्योंकि इससे पहले सभी देश एक साथ मिलकर तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस या संभव हुआ तो 1.5 डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने के लिए साथ मिलकर काम करने को तैयार नहीं हुए थे। हालांकि इसमें एक पेंच यह था कि यह समझौता स्वैच्छिक था। मतलब उत्सर्जन कम करने के लिए किसी देश पर बाध्यता नहीं थी। अब ग्लासगो में इसी बात पर चर्चा होना है कि इस बार 2 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान पर वादा करने से बात नहीं बनेगी। दुनिया के सभी देशों को मिलकर इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा ना बढ़ने देने का संकल्प करना होगा। देखना होगा कि ग्लासगो में सारे देश स्वार्थ छोड़कर धरती बचाने साथ आते हैं या नहीं।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर
फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से
जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर
हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर
चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के
आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी
लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें
देकर अपने जाने का ग़म दे
चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी
बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी
आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने
हमारे लिए हर चीज गवाह बन
जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी
की सबसे मीठी याद देकर चले
गए।
सच तो ये है कि आप हम
ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल
कठोर होता है वो कभी नहीं
रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में
पलकें भिगोते मैंने आपको
देखा है।
पिता की परिभाषा बदल
कठोरता को प्रेम में बदल कर
चले गए।
सच तो ये है की आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा
बचपन में ये हर मां बाप कहते
हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके
लिए आज भी इसलिए तड़पते
हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम
सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया
है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का,
उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच
अनजाने ही ये उम्मीद दे चले
गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।

इस तरह करें दिवाली पार्टी की प्लानिंग

मेहमानों के साथ हर पल को बनाएं यादगार

दिवाली का त्योहार अपने साथ कई सारी खुशियां और पॉजिटिविटी लेकर आता है। लाइटो के इस त्योहार को लोग बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं। कई लोग घर पर दिवाली पार्टी भी होस्ट करते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने घर पर दिवाली पार्टी होस्ट करने वाले हैं तो आज हम आपको कुछ प्लानिंग टिप्स देने वाले हैं। इन टिप्स की मदद से आप अपनी दिवाली पार्टी को और भी ज्यादा मजेदार बना सकते हैं। तो चलिए जानते दिवाली पार्टी को मजेदार बनाने के टिप्स।

कैसे करें तैयारी

किसी भी पार्टी में सबसे जरूरी है खाना, इसलिए आप सबसे पहले खाने के डिश को फाइनल करें। इसके लिए सबसे पहले वेल्कम ड्रिंक में आप मोहितो बना सकते हैं। ये बनाना बेहद ही आसान है और आपके मेहमानों को भी खूब पसंद आएगा फिर स्टार्टर के लिए आप कॉर्न चाट, मसाला इडली, पनीर टिक्का या फिर ढ़ोकला बना सकते हैं। फिर मेन कोर्स के लिए आप कुछ ऐसा बनाएं जो फ्टाफ्ट बनकर तैयार हो जाए और फिर आप भी अपनी पार्टी को एंजॉय कर सकें। इसके लिए आप बिरयानी और रायता बना सकते हैं जिसे सैलेड के साथ सर्व करें। या फिर आप साउथ इंडियन खाने को बना सकत हैं। क्योंकि इसे भी बहुत जल्द बनाया जा सकता है।

कैसे करें सजावट

दिवाली पार्टी पर सिंपल तरीके से ही डेकॉरेशन करें। दिवाली लाइटों का त्योहार है तो आप भी दिवाली पार्टी की डेकोरेशन लाइटों से करें। इसके लिए आप फेरी लाइट्स का सहारा ले सकते हैं। घर के कौने में डिजाइनर दीये जलाएं। चाहें तो सेल्फी फ्रेम बनाकर भी तैयार कर सकते हैं।

कैसे करें मेहमान नवाजी

अतिथि देवो भव, भारत में हर कोई इस बात को मानता है। ऐसे में हर मेहमान की खातिरदारी करना जरूरी है। इसके लिए होस्ट कुछ स्पेशल तैयारियां कर सकते हैं। जैसे कि जब मेहमान आएं तो एंट्रेंस पर उनका वेलकम। क्योंकि ये दिवाली पार्टी है तो दिवाली वाइब्स का आना जरूरी है। ऐसे में वेल्कम के लिए अगर आप फूलों की माला जो सिर्फएक रंग की हो मोगरा, लेवेंडर के फूल की माला अच्छी लगती है। टीके के साथ फूलों की माला से स्वागत। फिर जब सब आ जाएं तो आप वेल्कम ड्रिंक के साथ पार्टी की शुरूआत करें।

गेम्स

पार्टी को एंटरटेनिंग बनाने के लिए आप कुछ गैम्स रख सकते हैं। आप किसी भी तरह के इंटरेस्टिंग गेम रख सकते हैं। जैसे तंबोला, अंताक्षरी या फिर एक मिनट। इन गेम्स को खेलने पर आप कुछ छोटे-छोटे गिफ्ट भी रख सकत हैं।

दीपावली पर ऑर्गेनिक दीये प्रदूषण ही नहीं कीट-पतंगों से भी करेंगे आपकी रक्षा

मौसम बदलने के साथ दीपावली पर कीट पतंगों का प्रकोप और प्रदूषण दोनों बढ़ जाते हैं। कीट–पतंगों और प्रदूषण से लोगों को बचाने के लिए ऑर्गेनिक दीये का अभिनव प्रयोग किया गया है। पूर्वांचल के जिलों में नीम, बेर, गाय के गोबर और मुल्तानी मिट्टी के मिश्रण से तैयार ऑर्गेनिक दीये प्रदूषण के साथ कीट पतंगों से भी लोगों को बचाएंगे।

चंदौली और गाजीपुर में इस दीपावली पर ऑर्गेनिक दीये तैयार किए जा रहे हैं। इन दीयों को गाय के गोबर के मिश्रण से तैयार किया जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता प्रदूषण मुक्त रोशनी के साथ कीट पतंगों से लोगों को बचाना है। ऑर्गेनिक दीये तैयार करने वाले विशेषज्ञों को दावा है कि गाय के गोबर और मुल्तानी मिट्टी के मिश्रण में नीम, मेथी, बेर के पाउडर को मिलाकर ऑर्गेनिक दीये बनाए जा रहे हैं। दीये के जलने पर नीम और बेर के पाउडर के गंध से जहां कीट पतंग दूर रहेंगे वहीं मुल्तानी मिट्टी और मेथी से प्रदूषण भी कम होगा।

कैसे बनाते हैं दीये

ऑर्गेनिक दीये बनाने वाली चंदौली के पांडेयपुर मिल्की गांव निवसिनी नीलम शर्मा का कहना है कि देशी गाय के गोबर से दीये बनाना बेहद आसान एवं सस्ता है। मात्र तीन किलो गाय के गोबर में 300 ग्राम मुल्तानी मिट्टी और दो–दो सौ ग्राम मेथी, इमली, नीम व बेर के बीज के पाउडर से मिश्रण तैयार होता है। इससे 880 ऑर्गेनिक दीये तैयार हो जाते हैं। उनका कहना है कि दीये बनाने से पहले कम से कम गोबर का मिश्रण पूरी तरह बन जाए। दीये बनाने के बाद इसे सूखने में कम से कम चार दिन लगते हैं। पूरी तरह सूख जाने के बाद दीयों को विभन्न कलर में रंग कर आकर्षक ऑर्गेनिक दीये तैयार किए जा सकते हैं।

ऑर्गेनिक दीयों की मांग बढ़ी

बढ़ते प्रदूषण और कीट पतंगों के प्रकोप के कारण ऑर्गेनिक दीयों की मांग बढ़ गई है। चंदौली और गजीपुर में बन रहे दीये की मांग पूर्वांचल के कई जिलों में समेत सीमावर्ती बिहार में भी है। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन प्रतिदिन 2300 से 2500 आर्गेनिक दीये की मांग है। बीडीओ– धानापुर गुलाब चंद सोनकर का कहना है कि देशी गाय के गोबर से ऑर्गेनिक दीये बनाने की पहल अनूठी एवं सराहनीय है। प्रदूषण कम करने में इसका दूरगामी असर होगा।

दिवाली पार्टी पर मेहमानों के लिए स्नैक्स में इस तरह तैयार करें फ्राई इडली

पहले तो दिवाली की सफाई और फिर शॉपिंग की थकावट और उसके बाद दिवाली पार्टी में मेहमानों की खातिरदारी। अगर आप भी थकावट के कारण परेशान है और कुछ ऐसे स्नैक्स की तलाश में है जिन्हें आप झटपट बनाकर तैयार कर सकती हैं तो उन्में से एक है मसाला इडली। ये बहुत जल्दी बनकर तैयार हो जाती है और इसे बार बार गर्म करने की टेंशन भी नहीं होती है। क्योंकि आप इसे ठंडा भी खा सकते हैं। जानते हैं मसाला इडली बनाने की दो रेसिपी।

बच्चों के लिए इस तरह से बनाएं

पार्टी में बच्चे आने वाले हैं और अगर आप बच्चों के लिए मसाला इडली बना रही हैं तो यकीनन इसमें कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। जैसे तीखा कम होना। इसके लिए आप बिल्कुल सिंपल तरीके से इसे बनाएं। इडली के 4 टुकड़े कर के रखें। फिर एक पैन

में मूंगफली को रोस्ट कर के रखें और इसे दरदरा पीस लें। फिर एक प्याज को काट लें, ये पूरी तरह से ऑप्शनल है। एक पैन लें और फिर इसमें तेल गर्म करें। अब इसमें कढ़ी पत्ता, राई डाल कर चटकाएं। अब प्याज को भूनें और फिर इसमें नमक, ऑरिगेनों और चिली फ्लैक्स मिलाएं। अब इसमें मूंगफली मिलाएं और इडली डालें। अच्छे से मिलाएं और हरा धनिया से गार्निश करें। फिर सॉस के साथ सर्व करें।

2) मसाला इडली

इसलिए प्याज, शिमला मिर्च और हरी मिर्च को काट लें। फिर मूंगफली को रोस्ट कर के पीस लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और इसमें राई करी पत्ता डाल कर चटकाएं। फिर इसमें शिमला मिर्च और प्याज को भून लें। फिर इसमें नमक, मिर्च, ऑरिगेनो, चिली फ्लैक्स डालें। फिर इसमें मूंगफली और इडली डाल कर अच्छे से मिक्स करें। हरे धनिया से गार्निश करें और चटनी के साथ सर्व करें।

चेन्नई के इस मंदिर में की जाती है देवी लक्ष्मी के 8 रूपों की पूजा

चेन्नई के इस मंदिर में की जाती है देवी लक्ष्मी के 8 रूपों की पूजा, एक बार दर्शन का आप भी बनाएं मन

भारत में कई मंदिर हैं और हर मंदिर की अपनी एक मान्यता है। ऐसे में दक्षिण भारत को मंदिरों का गढ़ माना जाता है। यहां कई देवा देवताओं के मंदिर हैं, जो हर तरफकाफी प्रसिद्ध हैं। इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर–दूर से आते हैं। ऐसे में अगर बात हो चेन्नई के अष्टलक्ष्मी मंदिर की तो यह देवी लक्ष्मी के प्रमुख मंदिरों में से एक है। इस मंदिर में देवी लक्ष्मी के 8 रूपों की पूजा की जाती है। दिवाली के मौके पर यहां लोगों की भीड़ लगी रहती है। अगर आप भी देवी दर्शन करना चाहते हैं तो दिवाली पर आ रही छुट्टियों पर आप यहां जाने का प्लान कर सकते हैं। चेन्नई जाने के बाद आप आसानी से इस मंदिर तक पहुंच सकते हैं। इस मंदिर को लेकर लोगों की अलग मान्यता है। जानते हैं समुद्र तट पर बसे इस मंदिर से जुड़े कुछ रोचक तथ्य–

महिलाएं करती हैं पूजा

बसंत नगर के समुद्र तट पर बना ये मंदिर 4 तलों में बना है, जिसमें देवी लक्ष्मी की अलग–अलग प्रतिमाएं स्थापित हैं। मंदिर के दूसरे तर पर देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। यहां महिलाएं तेल से पूजा करती हैं और फिर माता की आरती उतारती हैं। बात हो मंदिर की खूबसूरती की तो समुद्र किनारे बसा ये मंदिर काफी सुंदर दिखता है।

मंदिर में क्या है खास

इस मंदिर में प्रतिमाएं घड़ी की सुइयों की दिशा में आगे बढ़ने पर दिखाई देती हैं। इसके अलावा मंदिर में भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की भी एक प्रतिमा है। कई लोग अपने विवाहित जीवन को खुशहाल बनाने के लिए यहां प्रार्थना करने आते हैं।

मस्तिष्क का बैरियर तोड़कर अंदर घुसता है जीका वायरस

65 फीट लंबे और 45 फीट चौड़े इस मंदिर की खूबसूरती हर किसी का मन मोह लेती है। श्रद्धालू यहां पर कमल का फूल चढ़ाते हैं। इस मंदिर को श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती स्वामिगल की इच्छा पर बनाया गया था। मंदिरके गर्भगृह में 5.5 फीट लंबा ऊंचा गोल्ड प्लेटेड कलश नवनिर्मित किया गया है।

कैसे पहुंचे

इसके लिए सबसे पहले चेन्नई पहुंचे इसके लिए हवाई जहाज या ट्रेन दोनों सुविधाओं में से किसी एक का सहारा लें। फिर चेन्नई से एक घंटे में इस मंदिर तक पहुंचा जा सकता हैं।

संकट में हिंदू:बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए बड़ा खतरा बने 3 कट्टरपंथी संगठन

9 साल में 3721 हमले हुए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू लगातार कट्टरपंथी संगठनों के निशाने पर हैं। 9 साल में इन पर 3721 हमले हो चुके हैं। हमलों में प्रमुख रूप से 3 इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों (अंसरुल्लाह बांग्ला टीम, हिफाजत-ए-इस्लाम, जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश) का हाथ है। जानिए, ये कब बने, कौन है कर्ताधर्ता और ये कैसे दहशत फैला रहे। अंसरुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी), सरगना -मुहम्मद जसिमुद्दीन रहमानी

स्थापना- रहमानी ढाका की एक मस्जिद में इमाम था। 2008 से 2013 तक यानी करीब 5 साल में उसने ये संगठन खड़ा किया था। अंसरुल्लाह बांग्ला टीम नाम की वेबसाइट के जरिए वह अपने विचारों का प्रचार-प्रसार करता था। इस वेबसाइट का सर्वर पाकिस्तान में है। यह फेसबुक पर भी मौजूद है।

कारस्तानी- यह हिंदुओं के खिलाफ भड़काने का काम करता है। 2013 में बांग्लादेश में सेक्युलर ब्लॉगर्स की नृशंस हत्याओं के बाद पहली बार सामने आया। 2015 में एक बड़ी बैंक डकैती में शामिल होने के बाद बांग्लादेश सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया।

हिफाजत-ए-इस्लाम, सरगना- महिबुल्लाह बाबूनागरी: स्थापना- 2010 में मदरसा शिक्षकों व छात्रों ने बनाया। फंडिंग पाकिस्तान करता है। 2009 में बांग्लादेश सरकार ने महिला विकास नीति का मसौदा तैयार किया था, जिसका कट्टरपंथी गुटों ने विरोध किया और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की। इसी के बाद ये संगठन पूरी दुनिया में चर्चा में आ गया था।

कारनामे- इसी साल मार्च-अप्रैल में एक युवक ने जॉइंट सेकेट्री ममुनुल हक की आलोचना करते हुए वीडियो अपलोड कर दिया था। विरोध में 80 हिंदुओं के घर फूंक दिए गए। इसी संगठन ने पीएम मोदी के बांग्लादेश दौरे पर दंगे भड़काए और हिंसा की।

जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी), सरगना- मौलाना सैदुर रहमान

स्थापना- 1998 में गठन हुआ। 2005 में तब सुर्खियों में आया, जब बांग्लादेश के 64 जिलों में करीब 500 सिलसिलेवार धमाके किए। इसके बाद बांग्लादेश सरकार ने इस संगठन के सभी प्रमुख सदस्यों का सफाया कर दिया था। 2010 तक ये माना जाने लगा था कि ये संगठन खत्म हो चुका है।

कारनामे- 2014 में इस संगठन की मौजूदगी तब पता चली जब बर्दवान में गलती से एक विस्फोट हुआ था। फिर संगठन के खुफिया ठिकाने सामने आए। 2016 में जेएमबी के ही एक गुट ने ढाका की होली आर्टिजन बेकरी में विस्फोट किया था।

पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हर साल लगभग 413 हमले किए जा रहे: अग्रणी राइट्स ग्रुप आइन ओ सेलिश के मुताबिक 9 साल में हिंदू मंदिरों, मूर्तियों और पूजा स्थलों पर तोड़फोड़ के 1678 केस दर्ज हुए। साल 2014 सबसे भयावह रहा। हिंदुओं के 1201 घर उजाड़े गए। पिछले पांच साल से हालात सुधर रहे थे, पर इस साल फिर आतंक बढ़ने लगा। बांग्लादेश में सितंबर 2021 तक हिंदुओं के 196 घर, ट्रेडिंग सेंटर और मंदिर उजाड़े जा चुके हैं।

कोरोना से दुनिया में 50 लाख मौतें:19 महीने में वायरस ने न्यूजीलैंड की कुल आबादी से ज्यादा जानें लीं, सबसे ज्यादा 7.66 लाख मौतें अमेरिका में

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

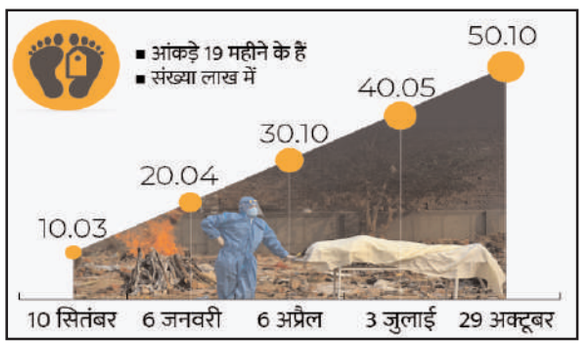

दुनिया में कोविड-19 से मरने वालों का आंकड़ा 50 लाख के पार हो गया है। यह संख्या न्यूजीलैंड की कुल आबादी से भी ज्यादा है। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 50 लाख मौतों का आंकड़ा 19 महीने में पूरा हुआ। इससे महामारी की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। न्यूज एजेंसी ने कुछ एक्सपर्ट्स के हवाले से कहा है कि मरने वालों का वास्तविक आंकड़ा तीन गुना तक ज्यादा हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस महामारी ने अमेरिका, ब्राजील, भारत, मैक्सिको और ब्रिटेन को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। पिछले 28 दिन में दुनिया भर में 1.97 लाख संक्रमितों की मौत हुई है। इसी दौरान एक करोड़ 17 लाख नए केस सामने आए। अमेरिका में कोरोना संक्रमितों की संख्या सबसे ज्यादा 4.68 करोड़ है। भारत में 3.42 करोड़ लोग वायरस की चपेट में आ चुके हैं। तीसरे नंबर पर मौजूद ब्राजील में यह संख्या 2.18 करोड़ है।

चीन में अब भी असर: 2019 के आखिर में चीन में कोरोना का पहला मामला सामने आया था। मार्च 2020 में इसने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया। खास बात यह है कि चीन समेत कोई देख जहां ये वायरस पहुंचा, वह अब भी इस महामारी से नहीं उबर सका है। हाल के दिनों में चीन में ही हजारों मामले सामने आए हैं। दुनिया की बात करें तो पिछले महीने अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, तुर्की और यूक्रेन में सबसे ज्यादा केस मिले हैं। 2श्हद्य-स्त्रश्द्धद्गह्लद्गह्ल्य.द्वठ्ठद्धश के मुताबिक, अमेरिका में अब तक संक्रमण से 7.66 लाख लोगों की मौत हुई है। इसके बाद ब्राजील और फिर भारत का नंबर है। भारत में 4.58 लाख मौतें हुई हैं। इनके अलावा मैक्सिको, रूस और पेरू में 2 लाख से ज्यादा मरीजों ने दम तोड़ा है।

रूस में एक दिन में सबसे ज्यादा 40 हजार केस: रूस में पिछले 24 घंटे में 40 हजार से ज्यादा केस आए हैं। फेडरल रिस्पॉन्स सेंटर ने सोमवार को बताया कि इससे एक दिन पहले देश में रिकॉर्ड 40,993 नए केस मिले थे। अब तक देश में कुल 85.54 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं। राजधानी मॉस्को में महामारी का सबसे ज्यादा असर है। देश में इससे मरने वालों की संख्या 2.39 लाख हो गई है।

ला पाल्मा, स्पेन के कैनरी द्वीप पर ज्वालामुखी के फटने के दौरान लावा एक ज्वालामुखी से बहता है।

अफगान में गरीबी और भूखमरी से बेहाल लोग, अपनी ही 9 साल की बेटी बेचने को हुए मजबूर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हाल के महीनों में, गरीबी और भुखमरी से जूझ रहे कई विस्थापित अफगान परिवारों को पैसे और जीविका के बदले अपनी बमुश्किल किशोर बेटियों की शादी करने के लिए मजबूर किया गया है, जो उनके अस्तित्व को सुनिश्चित करेगा। ऐसी ही एक दिल दहला देने वाली कहानी नौ साल की परवाना मलिक की है. परवाना को उसके परिवार ने पिछले महीने एक 55 वर्षीय कोरबान को बेच दिया था। सीएनएन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। अफगानिस्तान के बड़गीस प्रांत में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए एक शिविर में रहने वाला परवाना के आठ लोगों का परिवार मुश्किल से गुजारा करता था और तालिबान के अधिग्रहण के बाद से विदेशी सहायता भी लगभग खत्म हो गई थी। सीएनएन को दिए अपने एक इंटरव्यू में परवाना के पिता अब्दुल मलिक ने खुलासा किया कि उन्होंने कुछ महीने पहले ही अपनी 12 वर्षीय बेटी को बेच दिया था। अब, उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों को जीवित रखने के लिए एक और बेटी को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। बेटी को बेचने के इस फैसले के बाद से ही वे टूट गए हैं और शर्म में डूब चुके हैं। अपनी ओर से परवाना ने कहा कि वह पढ़ना चाहती है और शिक्षिका बनना चाहती है। लेकिन उसके परिवार की गंभीर आर्थिक परिस्थितियों ने उसके लिए यह दरवाजा बंद कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

इजरायल से दोस्ती को बहुत अहमियत देते हैं भारत के लोग

ग्लासगो। भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी COP26 जयवायु शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ग्लासगो पहुंचे हुए हैं। यहां उन्होंने इजरायली पीएम नफ्ताली बेनेट के साथ बैठक में कहा है कि भारत के लोग इजरायल के साथ दोस्ती को गहराई से महत्व देते हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने को लेकर मिलकर काम करने की बात कही है। पीएम मोदी के साथ भारतीय विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर भी ग्लासगो दौरे पर हैं। पीएम मोदी द्वारा ट्वीट गए एक वीडियो में दोनों नेता हंसते-मुस्कुराते दिखे हैं। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा है कि हम मजबूत द्विपक्षीय संबंधों और बेहतर प्लानेट बनाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। भारत के लोग इजरायल के साथ दोस्ती को बहुत महत्व देते हैं। इजरायली पीएम बेनेट ने पीएम मोदी से मुलाकात को बहुत बेहतर बताया है। बता दें कि हाल ही में सुब्रमण्यम जयशंकर इजरायल के दौरे पर थे जहां उन्होंने इजरायली पीएम बेनेट को भारत आने का न्योता दिया था। इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बेनेट 2022 की शुरुआत में भारत दौरे पर आ सकते हैं। भारत और इजरायल ने हालिया सालों में अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक स्तर तक बढ़ाया है। 2017 में पीएम मोदी के इजरायल दौरे के बाद से दोनों देशों के बीच स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप बढ़ती जा रही है। दोनों देश मिलिट्री सहयोग के साथ ही इनोवेशन और रिसर्च सेक्टर के साथ कई और क्षेत्र में बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं।

सांसद वी. विजयसाई रेड्डी के नेतृत्व में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में टीडीपी द्वारा आंध्र प्रदेश और उसके सांसदों की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले कथित झूठे प्रचार के मुद्दे पर राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मीडिया को जानकारी दी।

युक्रेन बॉर्डर के पास रशियन बिल्डअप:अमेरिका बोला- रूस का इरादा नहीं बता सकते, लेकिन क्षेत्र पर हमारी नजर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वॉशिंगटनअ

यूक्रेन की बॉर्डर के पास रूस की सैन्य गतिविधियों की खबरों पर अमेरिका की भी नजर है। पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने एक प्रेस ब्रीफिंग में ये बात कही। जॉन किर्बी ने कहा, 'रूस का क्या इरादा है इसे लेकर मैं कुछ नहीं बोल सकता, लेकिन हम इस क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं।'

रशियन बिल्डअप की सैटेलाइट तस्वीरें

कई न्यूज वेबसाइट्स ने रशियन मिलिट्री बिल्डअप की सैटेलाइट तस्वीरें पब्लिश की है। सोशल मीडिया पर इससे जुड़े कुछ वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि रूस ने बॉर्डर के करीब सैनिकों की संख्या में इजाफा किया है और मिलिट्री इक्विपमेंट तैनात किए हैं।

कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सैन्य ट्रेनों और ट्रक के काफिलों को रूस के साउथ वेस्ट में यूक्रेन के पास टैंक और मिसाइल ले जाते देखा जा सकता है। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल इन वीडियो में कितनी सच्चाई है ये कहा नहीं जा सकता।

यूक्रेन ने खबरों का खंडन किया

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बॉर्डर के करीब रशियन बिल्डअप की खबरों का खंडन किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने फोर्स और हथियारों में बढ़ोतरी नहीं देखी।
1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद यूक्रेन को स्वतंत्रता मिली थी। 2014 में रूस ने यूक्रेन के कंट्रोल वाले क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से दोनों देशों के संबंध और ज्यादा खराब हो गए हैं।

यूक्रेन और रूस के बीच जारी है विवाद

2014 से रूसी समर्थित अलगाववादियों ने ईस्टर्न यूक्रेन में यूक्रेनी सेना के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है। यूक्रेन का कहना है कि साल 2014 के बाद से रशियन आर्मी ने उसके देश के 14 हजार लोगों की हत्याएं कीं।

COP26 में जुटे वर्ल्ड लीडर्स: मोदी ने पर्यावरण बचाने के लिए दुनिया को दिया नया मंत्र- LIFE यानी लाइफस्टाइल फॉर एनवायर्नमेंट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 दिन का रोम दौरा खत्म करने के बाद COP26 समिट में शामिल होने ग्लास्गो पहुंचे। यहां उन्होंने दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन को लेकर भारत का एजेंडा सामने रखा। कॉप 26 में एक्शन एंड सॉलिडेरिटी: द क्रिटिकल डिकेड सेगमेंट में प्रधानमंत्री मोदी ने ऋग्वेद की दो लाइनों से अपनी स्पीच शुरू की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- हमारी संस्कृति में हजारों साल पहले यह मंत्र दिया गया था। संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्... यानी सभी मिलकर साथ चलें। सब मिलकर संवाद करें और सभी के मन भी मिले रहें। मैं पहली बार जब पेरिस क्लाइमेट समिट में आया था तो मानवता के लिए कुछ बात करने आया था। मेरे लिए पेरिस समिट नहीं सेंटीमेंट और कमिटमेंट था। हमारे यहां 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कहा जाता है। यानी सभी सुखी रहें।

भारत में दुनिया की आबादी 17प्रतिशत, उत्सर्जन में हिस्सा सिर्फ 5प्रतिशत: हमारे यहां दुनिया की 17त्न आबादी है, लेकिन उत्सर्जन में हिस्सा सिर्फ5त्न है। विश्व की कुल आबादी से भी ज्यादा लोग हमारे यहां भारतीय रेल से यात्रा करते हैं।

जोकर की ड्रेस पहनकर ट्रेन में चढ़ा शख्स, लोगों पर अचानक बरसाने लगा चाकू

नई दिल्ली। कई बार ऐसे मामले सामने आते हैं जब कुछ लोग ट्रेन में बवाल काट देते हैं। कुछ लोग यात्रियों को परेशान कर देते हैं तो वहीं कुछ लोग रेल अधिकारियों से भिड़ जाते हैं। हाल ही में जापान की एक ट्रेन से हैरान करने वाला मामला सामने आया है जहां एक शख्स जोकर की ड्रेस पहनकर एक डिब्बे में चढ़ गया। कुछ लोगों ने बताया कि यह बैटमैन की ड्रेस की तरह लग रही थी। वह शख्स जैसे ही ट्रेन पर चढ़ा, उसने लोगों को चाकू मारना शुरू कर दिया। दरअसल, यह घटना जापान की राजधानी टोक्यो की है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यहां हैलोवीन फेस्टिवल की तैयारी चल रही थी और ट्रेन में सवार अधिकतर लोग उसी फेस्टिवल में शामिल होने जा रहे थे।

रांची में धनतेरस के मौके पर लोग बर्तन खरीदते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जूनियर हॉकी विश्व कप से पहले सीनियर टीम के साथ अभ्यास करने से फायदा मिलेगा : विवेक सागर

बेंगलुरू। ओलिम्पिक कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य रहे विवेक सागर प्रसाद का मानना है कि भुवनेश्वर में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता से पहले सीनियर टीम के साथ अभ्यास करने का मौजूदा चैंपियन भारत को फायदा मिलेगा। भारत की सीनियर और जूनियर टीमें अभी यहां भारतीय खेल प्राधिकरण के परिसर में एक साथ अभ्यास कर रही है। इससे भारतीय जूनियर टीम को 24 नवंबर से पांच दिसंबर तक होने वाले टूर्नामेंट की अच्छी तैयारियों का मौका मिल रहा है। प्रसाद भी आगामी टूर्नामेंट में भारत की तरफ से खेलेंगे। प्रसाद ने कहा कि हमारी तैयारी वास्तव में अच्छी चल रही है और प्रत्येक खिलाड़ी अभ्यास के दौरान मैदान पर अपना शत प्रतिशत दे रहा है। उसी परिसर में सीनियर टीम भी अभ्यास कर रही है जिसका बड़ा फायदा मिल रहा है क्योंकि हम उनके खिलाफ मैच खेलकर अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम दबाव की परिस्थितियों को लेकर सीनियर खिलाडियों से काफी बात करते हैं और उनका अनुभव हमारे लिए काफी उपयोगी है। जूनियर विश्व कप में मेजबान भारत को पूल बी में कनाडा, फ्रांस और पोलैंड के साथ रखा गया है, जबकि पूल ए में बेल्जियम, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और चिली शामिल हैं। नीदरलैंड, स्पेन, कोरिया और संयुक्त राज्य अमरीका को पूल सी में जबकि जर्मनी, अर्जेंटीना, पाकिस्तान और मिस्त्र को पूल डी में रखा गया है।

क्रिकेट : संन्यास से लौटेंगे युवराज सिंह, कहा- जनता की मांग पर वापसी करूंगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के धमाकेदार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने क्रिकेट में वापसी का ऐलान कर दिया है। युवराज अगले साल फरवरी में एक बार फिर मैदान पर चौके छक्के लगाते हुए दिखाई देंगे। युवराज सिंह ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा की कि वह फरवरी 2022 में क्रिकेट में वापस आएंगे। उन्होंने लिखा, भगवान आपकी किस्मत का फैसला करते हैं!! जनता की मांग पर मैं फरवरी में पिच पर वापस आ सकता हूं! ऐसी कोई भावना नहीं है! आपके प्यार और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद, मेरे लिए यह बहुत मायने रखता है! भारत का समर्थन करते रहें, यह हमारी टीम है और एक सच्चा प्रशंसक कठिन समय में अपना समर्थन दिखाएगा। गौर हो कि युवराज सिंह ने 2011 विश्व कप में भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और उन्होंने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट से भी नवाजा गया था। युवराज ने बॉल और बल्ले दोनों से प्रदर्शन किया था। उन्होंने 90.50 की औसत से 362 रन बनाए जबकि 15 विकेट्स भी झटके। क्रिकेट से संन्यास के बाद युवराज ने विश्व भर की फ्रेंचाइजी क्रिकेट के लिए खेला। उन्होंने जीटी20 लीग में टोरंटो नेशनल का प्रतिनिधित्व किया है और अबू धाबी टी10 में मराठा अरेबियंस के लिए भी खेला है। युवराज को आखिरी बार मार्च 2021 में रोड सेफ्टी सीरीज के दौरान मैदान पर देखा गया था।

हार के लिए टीम इंडिया नहीं, बीसीसीआई जिम्मेदार

पिछले 1 साल में आईपीएल के 120 मैच + 76 दिन इंटरनेशनल खेले हमारे खिलाड़ी, तन और मन दोनों से थके

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप में अब तक सिर्फ हार मिली है। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड, दोनों ने बड़ी शिकस्त दी। हाल ये है कि अब सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल लग रहा है। इस हालत के लिए जिम्मेदार कौन है- खिलाड़ी या बीसीसीआई ? लोग कप्तान विराट कोहली समेत खिलाड़ियों को ट्रोल कर रहे हैं, लेकिन असली जिम्मेदार तो बीसीसीआई, यानी बोर्ड है। बोर्ड ने पिछले एक साल में टीम इंडिया का शेड्यूल ही ऐसा रखा कि ज्यादातर खिलाड़ी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही पूरी तरह थक गए। तन और मन दोनों से।

13 महीने में 2 आईपीएल सीजन और लगातार इंटरनेशनल क्रिकेट

पिछले साल कोरोना महामारी के कारण मार्च के आखिर से लेकर सितंबर की शुरुआत तक भारतीय टीम कोई भी सीरीज नहीं खेल पाई। आईपीएल भी कैंसिल हुआ था। इससे हुए नुकसान की भरपाई के लिए भारतीय बोर्ड ने सितंबर से लगातार क्रिकेट का ऐसा

(वर्ल्ड कप से पहले तक)

टीम	टेस्ट	वनडे	टी-20
भारत	5	3	3
इंग्लैंड	6	6	6
ऑस्ट्रेलिया	0	3	10
पाकिस्तान	4	6	14
साउथ अफ्रीका	2	9	15
श्रीलंका	2	12	9
वेस्टइंडीज	4	3	14
बांग्लादेश	3	6	14

सिलसिला शुरू किया जो अब तक नहीं थमा है। भारतीय खिलाड़ी सितंबर 2020 से लगातार खेल रहे हैं। पहले ,श्व में 2020 का आईपीएल सीजन हुआ। इसके बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। फिर इंग्लैंड की मेजबानी की। इसके बाद IPL-2021 का पहला फेज खेला गया जो कोरोना के कारण बीच सीजन स्थगित हुआ। इसके बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने भारतीय टीम इंग्लैंड गई। फिर इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज। इसी दौरान बोर्ड ने एक बी टीम बनाकर श्रीलंका भेजा। इंग्लैंड में पांचवां टेस्ट कोरोना के चलते रद्द हुआ तो भारतीय क्रिकेटर आईपीएल फेज-2 खेलने UAE पहुंच गए। बेहद प्रतिस्पर्धी और फ्रेंचाइजीज के गहरे दबाव वाले आईपीएल को निपटाने के दो दिन बाद वे वर्ल्ड कप में कूद पड़े। एक साथ इतनी सीरीज का शेड्यूल पढ़ना ही थका देने वाला है। सोचिए इनमें खेलने वाले खिलाड़ियों का क्या हाल रहा होगा। आईपीएल के दो सीजन और 3 फेज के 120 मैचों के अलावा 76 दिनों के इंटरनेशनल क्रिकेट का दौर चला जिनमें भारतीय खिलाड़ी उलझे रहे। कुछ खिलाड़ियों ने तो इनके अलावा डोमेस्टिक क्रिकेट भी खेली है।

आईपीएल के आखिरी स्टेज तक खेले 6 भारतीय स्टार्स

IPL-2021 का आखिरी राउंड यानी प्लेऑफ मुकाबलों की शुरुआत 10 अक्टूबर से हुई। टी-20 वर्ल्ड कप से महज एक सप्ताह पहले। इस राउंड में भारत की वर्ल्ड कप टीम के 6 अहम खिलाड़ी खेले। इनमें कप्तान विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, ऋषभ पंत, वरुण चक्रवर्ती और रविचंद्रन अश्विन शामिल थे। 8 अक्टूबर को मुंबई इंडियंस ने अपना आखिरी मैच खेला। इस टीम में रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह सहित भारतीय टीम के 6 खिलाड़ी मौजूद थे।

रोहित शर्मा को टी-20 और वनडे की कमान सौंपी जाएगी; चयन कमेटी की बैठक जल्द

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रोहित शर्मा टी-20 और वनडे के लिए टीम इंडिया के नए कप्तान होंगे। जल्द ही चयन कमेटी की बैठक में रोहित के नाम पर फाइनल मुहर लगेगी। स्पोर्ट्स की वेबसाइट इनसाइड स्पोर्ट्स ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। यह भी कहा गया है कि विराट कोहली टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई अधिकारी ने तीनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग कप्तान बनाने का खंडन किया है। विराट पहले ही वर्ल्ड कप के बाद टी-20 की कप्तानी छोड़ने का फैसला कर चुके हैं। उन्होंने वर्क लोड का हवाला देते हुए बीसीसीआई को अपना इस्तीफा भेजा था। कोहली ने सोशल मीडिया पर टी-20 की कप्तानी छोड़ने का ऐलान करते हुए बताया था कि वे कई सालों से भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में खेल रहे हैं और पिछले कुछ सालों से तीनों फॉर्मेट में कप्तानी भी कर रहे हैं। उनके ऊपर वर्कलोड काफी ज्यादा है। ऐसे में वनडे और टेस्ट की कप्तानी में ध्यान देने के लिए वे टी-20 की कप्तानी छोड़ रहे हैं और एक बल्लेबाज के रूप में टी-20 क्रिकेट खेलते रहेंगे।

2013, 2015, 2017, 2019, 2020 में IPL जीता

2013 में मुंबई इंडियंस को चैंपियंस लीग जिताई

2018 में भारत को निदहास ट्रॉफी और एशिया कप में दिलाई खिताबी जीत

वर्ल्ड कप के बाद न्यूजीलैंड का भारत दौरा:- टी-20 वर्ल्ड कप के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत का दौरा करेगी। न्यूजीलैंड टीम को तीन टी-20 और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। 17 नवंबर को जयपुर में पहला टी-20 मैच खेला जाना है। 19 नवंबर को रांची में दूसरा और 21 नवंबर को कोलकाता में तीसरा टी-20 मैच खेला जाएगा। इसके बाद 25-29 नवंबर तक कानपुर में पहला टेस्ट और और 3-7 दिसंबर के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

2023 तक दो वर्ल्ड कप

2023 तक दो वर्ल्ड कप होने हैं। अगले साल 2022 में अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के मैदानों पर टी-20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा, जबकि 2023 में भारत की मेजबानी में वनडे वर्ल्ड कप होना है। ऐसे इस बड़े टूर्नामेंट से पहले रोहित को अपनी टीम तैयार करने का पूरा मौका भी मिल जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के बड़े मैदानों को ध्यान में रखते हुए रोहित शर्मा एक बढ़िया टीम तैयार कर सकते हैं। साथ ही अब तक बड़े टूर्नामेंट जीतने का उनका अनुभव भी टीम के लिए फायदेमंद सिद्ध होगा।

2017 के बाद टीम इंडिया में होंगे दो कप्तान

2017 के बाद पहली बार टीम इंडिया में दो कप्तान होंगे। इससे पहले 2014 से 2017 तक भारतीय टीम में दो कप्तान थे। धोनी ने 2014 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और विराट कोहली टीम के नए कप्तान बने थे। वहीं धोनी वनडे और टी-20 में बतौर कप्तान खेल रहे थे। इसके बाद कोहली ने 2017 से तीनों फॉर्मेट में भारत की कप्तानी की है। अब कोहली के टी-20 कप्तानी छोड़ने के बाद रोहित और कोहली भारत के दो अलग-अलग कप्तान होंगे।

कप्तान के रूप में रोहित का रिकॉर्ड है शानदार

कप्तान के रूप में रोहित का रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने 19 मैचों में भारत की कप्तानी की है और 15 मैच जीते हैं। वहीं आईपीएल में उन्होंने अपनी टीम को 59.68 फीसदी मैच जिताए हैं। वो एकमात्र कप्तान हैं जिनके नाम पांच आईपीएल ट्रॉफी हैं। भारत की कप्तानी करते हुए रोहित ने बल्लेबाज को रूप में भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपनी कप्तानी में 41.88 के औसत से 712 रन बनाए हैं और इस दौरान दो शतक और पांच अर्धशतक भी लगाए हैं।

द्रविड़ को हेड कोच बनाए जाने पर भी होगा फैसला

रोहित को कप्तान बनाए जाने के साथ ही बीसीसीआई राहुल द्रविड़ को हेड कोच बनाने का एलान भी करेगी। रवि शास्त्री का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद समाप्त हो रहा है। ऐसे में संभावना है कि द्रविड़ को टीम इंडिया की हेड कोच की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

हार के बाद बुमराह की सफाई:तेज गेंदबाज ने कहा-

हम छह महीने से लगातार खेल रहे, ब्रेक चाहिए होता है

जसप्रीत बुमराह

vs PAK		vs NZ
03	ओवर	04
22	रन	19
00	विकेट	02
7.30	इकोनॉमी	4.80

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार न सिर्फ टीम इंडिया के लिए बल्कि पूरे देश के लिए दिल तोड़ने वाली रही। ह्रं ने भारत को एकतरफा मुकाबले में 8 विकेट से हराया। इस हार के साथ ही कोहली एंड कंपनी लगभग-लगभग सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है। हार के बाद भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी अपने दर्द को नहीं छिपा सके। उन्होंने बायो बबल से होने वाली परेशानियों को गिनवाते हुए कहा कि लंबे समय तक परिवार से दूर रहना आसान नहीं है। बुमराह ने कहा- कभी-कभी आपको एक ब्रेक चाहिए होता है। आप अपनी फैमिली को मिस करते हैं। हम पिछले लगातार छह महीने से खेल रहे हैं। यह सब बातें आपके माइंड में चलती है, लेकिन जब आप मैदान पर होते हैं तो इन बातों को नहीं सोचते हैं। आप मैचों का शेड्यूल और कौन सा टूर्नामेंट कब खेला जाएगा, इन सब चीजों को कंट्रोल नहीं कर सकते हैं। क्चष्टष्टढ्ढ भी हमको कम्फर्टेबल फील कराने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रही है, लेकिन यह समय महामारी का चल रहा है। हम इसमें ढलने का प्रयास करते हैं, लेकिन कभी-कभी बबल और मानसिक थकान आड़े आ जाती है, जब आप एक ही चीज को हर बार-बार करते हैं तो।

बुमराह को छोड़ कोई नहीं चला:- कीवी टीम के खिलाफ जसप्रीत बुमराह को छोड़ दिया जाए तो एक भी गेंदबाज विकेट हासिल नहीं कर सका। बुमराह ने चार ओवर में 19 रन खर्च करते हुए कुल 2 विकेट चटकाए। क्रद्ब के खिलाफ भी उनके अलावा कोई भी भारतीय गेंदबाज लय में नजर नहीं आया था।

पेरिस। दो बार के ओलंपिक चैम्पियन एंडी मर्रे ने 7 मैच प्वाइंट गंवा दिए और पेरिस मास्टर्स टेनिस के पहले ही दौर में जर्मनी के 'लकी लूजर' डोमिनिक कोफर से हार गए। खराब सर्विस का खामियाजा मर्रे को भुगतना पड़ा और कोफर ने उन्हें 6.4, 5.7, 7.6 से हराया। विश्व रैंकिंग में 144वें स्थान पर काबिज मर्रे को इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला था। इस साल वह 26 मैचों में से 13 हारे और 13 जीते हैं। उन्हें पहले अमेरिकी क्वालीफायर जेंसन ब्रूक्सबी से खेलना था जो पेट में दर्द के कारण नहीं खेल पाए और उनकी जगह कोफर ने ली। ब्रिटेन के ही कैमरन नॉरी ने अर्जेंटीना के फेडरिको डेलबोनिस को 6.2, 6.1 से हराया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

अनुष्का-विराट की बेटी को धमकी : विराट कोहली ने ट्रोलर्स को बिना रीढ़ का कहा तो 9 महीने की वामिका को रेप की धमकी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में पाकिस्तान से मिली करारी हार के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को निशाना बनाया गया। कुछ यूजर्स ने शमी के धर्म पर निशाना साधते हुए उन्हें गद्दार तक कह डाला। इसके बाद कप्तान विराट कोहली ऐसे ट्रोलर्स पर जमकर बरसे थे और उन्होंने कहा था कि जिन लोगों ने ऐसा किया है वे बिना रीढ़ के होते हैं। हालांकि ट्रोलर्स को विराट की नाराजगी ठीक नहीं लगी और वे उनकी बच्ची को लेकर गालियां और असंवेदनशील टिप्पणी करने लगे। यहां तक कि रेप की धमकी भी देते रहे। रेप से जुड़ा यह पोस्ट आंद्रे बोर्गेस ने शेयर किया है। रेप की धमकी मिलने के बाद यूजर्स ने कोहली का सपोर्ट किया है। एक ने लिखा कि जिस तरह से कुछ घटिया लोग

पहले से ही वामिका को ट्रोल कर रहे हैं, वह हमारे देश के स्तर को दर्शाता है, यह अच्छा है कि विराट-अनुष्का ने उसे सोशल मीडिया से दूर रखने का फैसला किया।

एक और यूजर ने लिखा कि- पाकिस्तान में किसी ने दी है धमकी...हिंदू कभी भी शारीरिक नुकसान में विश्वास नहीं करते हैं। यह ईसाई और मुस्लिम संस्कृति यानी अब्राहमिक संस्कृति का हिस्सा है...पाकिस्तान का झंडा फहराने वाले और आपके द्वारा समर्थित इस ट्वीट के प्रवर्तक के बारे में नीचे सबूत हैं।

धोनी की बेटी को भी मिली थी धमकी

यह पहला मौका नहीं है जब ट्रोलर्स ने क्रिकेटर्स की फैमिली को निशाना बनाया है। IPL में फेल होने पर ट्रोलर्स ने धोनी की पत्नी साक्षी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी 5 साल की बेटी जीवा से रेप की धमकी दी थी। तब एक्ट्रेस नगमा ने इस बात की निंदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा था कि यह देश में क्या हो रहा है? धोनी की बेटी से दुष्कर्म करने के मामले में कच्छ से एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया था। आरोपी 16 साल का और 11वीं का स्टूडेंट था। पश्चिम कच्छ पुलिस द्वारा पकड़े जाने से पहले ही आरोपी ने विवादित कमेंट सोशल मीडिया से डिलीट कर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

खेती किसानी में नवाचार पर फोकस : जैविक खेती सहित कृषि योजनाओं की दी जानकारी

नई दिल्ली। ई-किसान भवन के सभागार में परियोजना निदेशक बांका आत्मा के निर्देश पर रबी महाभियान सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।बीएओ रामयश मंडल, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी बिनोद कुमार सिंह, वनपाल चांदन अशोक कुमार व आत्मा अध्यक्ष बासुकीनाथ दुबे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बीएओ ने किसानों को बताया कि बिहार के 69 प्रतिशत लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर आधारित है। कृषि समन्वयक रंजीत कुमार ने किसानों के लिए कृषि विभाग भारत सरकार और बिहार सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। जैविक खेती प्रोत्साहन योजना, मिट्टी जांच, फसल प्रत्यक्षण अनुदानित दर पर बीज वितरण ,प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, हरित क्रांति योजना, जलछाजन विकास कार्यक्रम के तहत चलायी जा रही योजनाओं से जुड़ने एवं मिल रहे अनुदानों की जानकारी दी। मौके पर एटीएम हरेराम गुप्ता, कृषि समन्वयक रूपेश कुमार आजाद, सुभाष दास, उप वनपाल विवेक कुमार ऋषिदेव कुमार व अंजय कुमार, किसान सलाहकार रंजन कुमार, पुष्पा कल्याणी, बालकृष्ण यादव, राजीव कुमार शंभू दास सहित दर्जनों किसान मौजूद थे।

एंकर निवेशकों के लिए 3 नवंबर को यह इश्यू खुला रहेगा

पेटीएम ने कहा : भविष्य में फायदा कमाएंगे, इसकी गारंटी नहीं, एंकर निवेशकों से जुटाएगी 8,250 करोड़ रुपए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पेटीएम ने कहा है कि वह भविष्य में फायदा कमाएगी, इसकी कोई गारंटी नहीं दे सकती है। वह लगातार घाटा देने वाली कंपनी है और आगे भी यह जारी रह सकता है। कंपनी एंकर निवेशकों ने 8,250 करोड रुपए जुटाएगी।

पेटीएम का आईपीओ 8 नवंबर से खुलेगा

पेटीएम का आईपीओ 8 नवंबर से खुलेगा। इसके पहले एंकर निवेशकों से 8,250 करोड़ रुपए कंपनी जुटाएगी। एंकर निवेशकों के लिए 3 नवंबर को यह इश्यू खुला रहेगा। भारतीय बाजार में अब तक का सबसे बड़ा 18,300 करोड़ रुपए का आईपीओ ला रही पेटीएम का आईपीओ 10 नवंबर को बंद होगा।

लगातार घाटा देने वाली कंपनी

कंपनी ने सेबी के पास जमा अर्जी में

पेटीएम को तीन साल से भारी घाटा

साल	रेवेन्यू	घाटा
2019	3,579	4,230
2020	3,540	2,942
2021	3,186	1,701

कहा है कि वह लगातार तीन साल से घाटे में है। उसका घाटा वित्त वर्ष 2019 में 4,230 करोड़ रुपए था जो कि 2020 में 2,942 करोड़ रुपए और 2021 में 1,701 करोड़ रुपए रहा। जून 2021 तिमाही में उसका घाटा 381 करोड़ रुपए रहा। रेवेन्यू की बात करें तो 31 मार्च 2019 को 3,579 करोड़ रुपए था जो 2020 मार्च में 3,540 और 2021 में 3,186 करोड़ रुपए था।

भविष्य में भी घाटा दे सकती है कंपनी

कंपनी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि भविष्य में हम लगातार घाटा दे सकते हैं और हम फायदे को हासिल नहीं कर सकते। कंपनी ने अर्जी में कहा कि हमारे प्लेटफॉर्म से यह उम्मीद करना कि भविष्य में फायदा मिलेगा, यह बहुत मुश्किल है। हमारी उम्मीद है कि हमारा खर्च बढ़ता जाएगा। कंपनी ने कहा कि हम यह नहीं सुनिश्चित कर सकते कि आगे हम घाटा नहीं देंगे। हमारी सब्सिडियरी और एसोसिएट भी घाटे में ही हैं। हमें हो सकता है कि भविष्य में कर्ज और शेयर बेचकर सपोर्ट लेना पड़े।

8,300 करोड़ के नए शेयर जारी होंगे

कंपनी 18,300 करोड़ रुपए में से नए शेयर के जरिए 8,300 करोड़ रुपए जुटाएगी। जबकि ऑफर फॉर सेल के जरिए 10 हजार करोड़ रुपए जुटाएगी। इसका प्राइस 2,080 से 2,150 रुपए तय किया गया है। पेटीएम भारत की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसका वैल्यूएशन 16 अरब डॉलर है। हालांकि आईपीओ में इसका वैल्यूएशन 20 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। इस आधार पर कंपनी का मार्केट कैप 1.48 लाख करोड़ रुपए होगा।

33.7 करोड़ ग्राहक

जून 2021 तक कंपनी के पास 33.7 करोड़ ग्राहक थे। इसका दावा है कि इसके पास 2.18 करोड़ रजिस्टर्ड मर्चेंट्स हैं। कंपनी का रेवेन्यू 46त्न बढ़कर 948 करोड़ रुपए जून की तिमाही में रहा। एक साल पहले यह 649 करोड़ रुपए था। कंपनी को जून तिमाही में 382 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। फिलहाल पेटीएम उधारी भी देती है। इसने 2.84 मिलियन लोन का वितरण किया है।

दिवाली पर महंगाई का साया : लगातार सातवें दिन महंगा हुआ पेट्रोल

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर 110.04 रुपए पर पहुंची

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में पेट्रोल के दामों में आज लगातार सातवें दिन बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, डीजल के दामों में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज यानी 2 नवंबर को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल के दामों में फिर से 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। दिल्ली में पेट्रोल 110.04 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं डीजल 98.42 रुपए पर स्थिर है। सात दिनों में पेट्रोल में जबरदस्त बढ़ोतरी के

बाद इसकी कीमत 2.45 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका है। वहीं, डीजल में 2.10 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है।

अक्टूबर में 24 बार बढ़े थे दाम

अक्टूबर में 24 बार पेट्रोल-डीजल महंगे हुए थे जो किसी भी 1 महीने में सबसे ज्यादा है। अक्टूबर में राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 7.70 और डीजल 8.20 रुपए महंगा हुआ था। ग्लोबल क्रूड ऑयल की कीमतों की बात करें तो यह 85 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। आने वाले दिनों में इसके 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने की संभावना है। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

33 राज्यों में पेट्रोल और 18 राज्यों में डीजल 100 के पार:- देश के 33 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दमन और दीव, छत्तीसगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, नागालैंड, पुडुच्चेरी, तेलंगाना, पंजाब, सिक्किम, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा,अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, झारखंड, गोआ, असम, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, मेघालय, दादरा और नगर हवेली और राजस्थान में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है।

लागत के दबाव से स्टील के बढ़े दाम

नई दिल्ली। बढ़ती लागत के कारण स्टील कंपनियों ने इस महीने कीमतों में 2,000 रुपये से 3,500 रुपये प्रति टन की बढ़ोतरी कर दी है। जुलाई और सितंबर के बीच थोड़े राहत के बाद देसी स्टील फर्मों ने अक्टूबर में कीमतें बढ़ानी शुरू की और पहले हफ्ते में हॉट रोल्ड कॉइल की कीमतों में 1,200 रुपये से 1,500 रुपये प्रति टन की बढ़ोतरी की। हॉट रोल्ड कॉइल को फ्लैट स्टील के लिए बेंचमार्क माना जाता है। लॉन्ग स्टील की कीमतों में करीब 3,000 रुपये प्रति टन की बढ़ोतरी की गई है। फ्लैट स्टील का इस्तेमाल मोटे तौर पर ऑटोमोबाइल व देसी उपकरण में और लॉन्ग स्टील का इस्तेमाल निर्माण क्षेत्र व रेलवे में होता है। स्टील की अग्रणी कंपनियों ने हालांकि संकेत दिया कि फ्लैट स्टील कीमतों में पिछले महीने दो बार बढ़ोतरी की गई।

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required
POSTINGS AT BHOPAL MP
SALES AD TEAM LEADER
5 years experience in print media
EXECUTIVE SPACE SALES
Degree in any discipline, prefer BBA
News Reporter
Degree in any discipline, Prefer BJ

Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days

PRESS ITDC ITDC NEWS www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।
मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

परोपकार भी, रोजगार भी
प्रति माह 50 हज़ार या अधिक भी अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी, बिना तकनीकी योग्यता

बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थसम्मेलन 21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR हरित वीर वाहिनी www.greendonor.in
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।